छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

# संकल्प

नवंबर-दिसंबर 2014 ■ वर्ष-10

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

छ.ग. विद्युत कं. मर्या. की गृह पत्रिका

# संकल्प

नवम्बर-दिसम्बर 2014 ■ वर्ष-10

**संरक्षक**

- **श्री शिवराज सिंह**
  अध्यक्ष
- **श्री सुबोध सिंह**
  प्रबंध निदेशक (वितरण / ट्रेडिंग कं. मर्या.)
- **श्री विजय सिंह**
  प्रबंध निदेशक (पारेषण कं. मर्या.)
- **श्री शशिभूषण अग्रवाल**
  प्रबंध निदेशक (उत्पा. कं. मर्या.)
- **श्री अनूप कुमार गर्ग**
  प्रबंध निदेशक (होल्डिंग कं. मर्या.)
- **श्री शारदा सिंह**
  कार्यपालक निदेशक (मा.सं.)
- **श्री अजय श्रीवास्तव**
  अति. महाप्रबंधक (मा.सं.)

**संपादक**

- **श्री विजय कुमार मिश्रा**
  उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)

**सहयोग**

- **श्री जाबिर मोहम्मद कुरैशी**

**छायाकार**

- **श्री संजय टेम्बे**

**पता :**
**संपादक : संकल्प**
उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)
छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कं. मर्या.
डंगनिया रायपुर, छत्तीसगढ़
e-mail : vijay.mishra361@gmail.com

## छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कम्पनी मर्यादित

### प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

| | नवंबर 2000 | दिसंबर 2014 |
|---|---|---|
| ताप विद्युत क्षमता | 1240 मेगावॉट | 2286 मेगावॉट |
| जल विद्युत क्षमता | 120 मेगावॉट | 138.70 मेगावॉट |
| कुल ताप, जल विद्युत क्षमता | 1360 मेगावॉट | 2424.76 मेगावॉट |
| क्षमता वृद्धि | --- | 1064.70 मेगावॉट |
| अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या | 27 नग | 90 नग |
| अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई | 5205 सर्किट कि.मी. | 10470 सर्किट कि.मी. |
| 33/11 के.व्ही. उपकेंद्रों की संख्या | 248 नग | 905 नग |
| 33 के.व्ही. लाइनों की लंबाई | 6988 सर्किट कि.मी. | 17603 सर्किट कि.मी. |
| 11/04 के.व्ही. उपकेंद्रों की संख्या | 29692 नग | 104773 नग |
| 11 के.व्ही. लाइनों की लंबाई | 40556 कि.मी. | 84983 कि.मी. |
| निम्नदाब लाइनों की लंबाई | 51314 कि.मी. | 150704 कि.मी. |
| केपेसिटर स्थापित | 94 एमव्हीएआर | 935 एमव्हीएआर |
| कुल आबाद ग्रामों की संख्या (जनगणना 2011 के अनुसार) | --- | 19567 |
| विद्युतीकृत ग्रामों की संख्या | 17682 | 19060 |
| विद्युतीकरण का प्रतिशत | 91.00 | 97.40 |
| विद्युतीकृत मजराटोलो की संख्या | 10375 | 25134 |
| विद्युतीकृत पंपों की संख्या | 72400 | 357265 |
| एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या | 630389 | 1591979 |





## राज्य स्थापना दिवस पर संदेश

### छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण, आजाद भारत की यादगार घटना

राज्य स्थापना की 14वीं वर्षगांठ पर मान. मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने हार्दिक बधाई और शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के लगभग आधी शताब्दी के बाद नये छत्तीसगढ़ सहित तीन नये राज्यों का निर्माण स्वतंत्र भारत के इतिहास की एक यादगार घटना है। छत्तीसगढ़ ने 14 वर्षों से जारी अपनी विकास यात्रा के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में एक लम्बी छलांग लगाई है। देश के इकलौते और प्रथम विद्युत कटौतीमुक्त राज्य के रूप में छत्तीसगढ़ की पहचान बनी है। अभूतपूर्व उपलब्धियों को दर्ज करते हुये विकास के लिए आगे और भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। अतः अपने-अपने कार्यक्षेत्र में छत्तीसगढ़ को आदर्श एवं अग्रणी राज्य बनाने के लिए पूरी ईमानदारी और मेहनत से मिलजुलकर काम करने का आव्हान उन्होंने सभी वर्ग के लोगों से किया। बिजली के क्षेत्र में हम आत्मनिर्भर हो गए हैं। छत्तीसगढ़ में बिजली की खपत प्रतिव्यक्ति औसत वार्षिक खपत 650 यूनिट से बढ़कर 1670 यूनिट हो गई है।

### कम समय में अधिक उन्नति अत्यंत सराहनीय

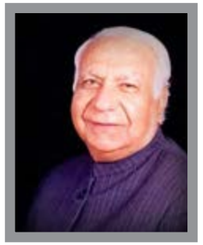

छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस पर आयोजित राज्य उत्सव समारोह में मान. राज्यपाल श्री बलरामदास जी टंडन ने प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि किसी भी नये राज्य के विकास के लिए 14 वर्ष पर्याप्त नहीं होते, लेकिन इस छोटी सी अवधि में छत्तीसगढ़ ने विभिन्न क्षेत्रों में जितनी शानदार तरक्की की है वह अविश्वसनीय लगने के बावजूद हकीकत है। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि छत्तीसगढ़ में बिजली कटौती अब बीते कल की बात हो गई है। बिजली यहां के लोगों के जीवन का एक अंग बन गई है। उद्योगों के साथ सभी आयामों के लिए यहां भरपूर बिजली उपलब्ध है। घर के अंदर रोशनी, पंखे की बात हो अथवा चूल्हे चौके तक की बात हो। आज हर चीज बिजली पर आधारित हो गई है। यहां किसानों को मिल रही बड़े स्तर की सुविधा देखकर मुझे काफी प्रसन्नता हुई है। देश के कई प्रदेशों में आज बिजली की विकट समस्या है, लेकिन छत्तीसगढ़ ऐसा राज्य है जो अपने यहां उत्पादित बिजली से दूसरे राज्यों को भी रोशन कर रहा है। इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह एवं उनकी टीम बधाई के पात्र हैं।

## छत्तीसगढ़ राज्य का परिचय

| | | |
|---|---|---|
| स्थापना | : | 01 नवंबर 2000 (भारत का 26वां राज्य) |
| क्षेत्रफल | : | 135,191 वर्ग किलोमीटर |
| जिले | : | 27, आबादी - लगभग 2.55 करोड़ |
| वनक्षेत्र | : | 44 प्रतिशत |
| कृषि आधारित | : | 80 प्रतिशत आबादी |
| राजकीय पशु | : | वन भैंसा |
| राजकीय पक्षी | : | मैना |
| राजकीय वृक्ष | : | साल (सरई) |

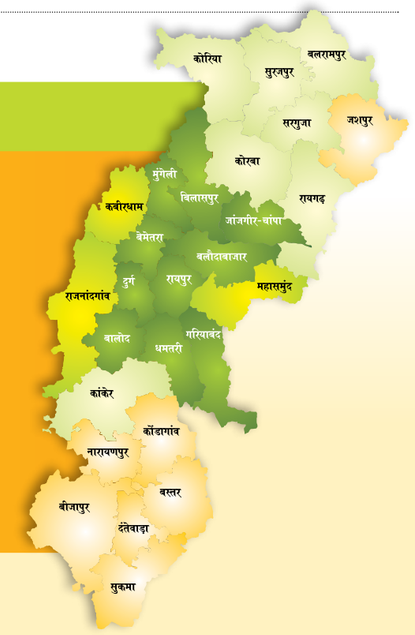

संपादकीय

# एक सुखद बदलाव है, सेवानिवृत्ति

यह सर्वविदित है कि वास्तव में सेवानिवृत्ति की तिथि तो सेवानियुक्ति तिथि को ही सुनिश्चित हो जाती है। शासकीय कर्मियों की सेवा पुस्तिका में इसे सेवानियुक्ति तिथि पर ही अंकित कर दिया जाता है। इन अर्थों में तो उल्टी गिनती की शुरूआत सेवानियुक्ति तिथि से ही हो जाती है, तो फिर सेवानियुक्ति तिथि को उत्साह से परिपूर्ण क्यों होते हैं ?

**बीते** कुछ दिनों पहले की बात है। पॉवर कंपनी के प्रागंण में आयोजित एक कार्यक्रम में जुटे कर्मचारियों/अधिकारियों के बीच सेवानिवृत्ति आयु में कमी-वृद्धि पर जोरदार चर्चा चल रही थी। चर्चा में शामिल ऐसे अधिकारी-कर्मचारी जिनकी सेवानिवृत्ति तिथि निकट थी, वे कुछ ज्यादा ही चिंतित और गमगीन मुद्रा में नजर आ रहे थे। सभी यह जानने को बेताब थे कि सेवानिवृत्ति आयु 62 से 60 या 60 से 58 वर्ष तो नहीं हो रही है ? सेवानिवृत्ति आयु में कमी न हो जाये इस भाव को समेटे हुये अनेक लोगों के चेहरे पर चिंता की लकीर थी। उनके इस भाव और सेवानिवृत्ति आयु को लेकर सरकार की मंशा के बारे में अटकलें लगाने की दशा को देखकर लगा कि ऐसे लोगों ने सेवानिवृत्ति की तिथि को संभवतः अपने सक्रिय जीवन के अवसान तिथि के रूप में चिन्हित करने की एक बड़ी भूल कर ली है।

सच्चे अर्थों में ऐसे लोग सेवानिवृत्ति के उपरांत जीवन की उपादेयता को विस्मृत कर जाते हैं। सेवा अवधि में रहते हुये जिस ऊर्जा का अनुभव होता है, उस ऊर्जा के पूरी तरह से खो जाने का भ्रम ऐसे लोगों के भीतर घर कर जाता है। उन्हें लगता है कि अब जिंदगी की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। ऐसी अजीब मानसिकता को त्याग देने का संदेश देते हुये विद्धजनों ने कहा है कि- रिटायरमेंट एक सुखद परिवर्तन को प्रदर्शित करता है। यह वह दिवस है जो जीवन के द्वितीय अध्याय की मशाल को स्वतंत्रतापूर्वक प्रज्वलित करने के लिये प्रेरित करता है।

यह सर्वविदित है कि वास्तव में सेवानिवृत्ति की तिथि तो सेवानियुक्ति तिथि को ही सुनिश्चित हो जाती है। शासकीय कर्मियों की सेवा पुस्तिका में इसे सेवानियुक्ति तिथि पर ही अंकित कर दिया जाता है। इन अर्थों में तो उल्टी गिनती की शुरूआत सेवानियुक्ति तिथि से ही हो जाती है, तो फिर सेवानियुक्ति तिथि को उत्साह से परिपूर्ण क्यों होते हैं ? दरअसल उस दिवस पर मन प्रफुल्लित, उमंग और उत्साह से मजबूत रहता है, जबकि इसके विपरीत सेवानिवृत्ति तिथि पर मन कमजोर और असुरक्षा की भावना में डूबते उतरते अस्थिर हो उठता है। इसका सीधा अर्थ है कि मन में उठने वाले विचार कर्मियों को रिटायर बना देते हैं। विद्धवानों के अनुसार इसे नकारात्मक सोच का परिणाम कहना उचित प्रतीत होता है।

जीवन में ''क्वालिटी'' की चाहत सभी को होती है। इस चाहत को बनाये हुये सेवाकाल के अंतिम दिवस तक अपने कर्त्तव्यों के प्रति समर्पित भाव से जुटे रहने वाले लोगों को विदाई के दिन भी गर्व का बोध होगा। इसके विपरीत सेवाकाल की समाप्ति को जीवन की सक्रियता की समाप्ति का भाव रखने वाले को जिदंगी में नीरसता का बोध होगा, अतः रिटायरमेंट को जीवन के लिए एक सुखद बदलाव, एक नये अध्याय की सरस शुरूआत, जीवन में बेहतर परिवर्तन का प्रादुर्भाव मानकर चलें। इससे कार्य के प्रति समपर्ण, गुणवत्ता की भावना बनी रहेगी।

सम्पूर्ण सेवाकाल के दौरान प्रदर्शित किये जा रहे कार्यों की गुणवत्ता को अंतिम दिवस तक बनाये रखना निःसंदेह किसी भी अधिकारी-कर्मचारी की स्थाई पहचान बनती है। यह वह पहचान है जो व्यक्ति के चेहरे पर आजीवन आत्म संतोष के साथ साथ मीठी मुस्कान की अमिट लकीर निर्मित कर देती है। इसे पाने का तो एक ही आदर्श सूत्र है कि सेवानिवृत्ति तिथि तक हंसी-खुशी जोशखरोश के साथ अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निवर्हन किया जाये। जरा गौर करें- जब चंद सेकण्ड की मुस्कराहट से तस्वीर अच्छी आ सकती है, तो हमेशा मुस्कराकर जीने से जिदंगी अच्छी कैसे नहीं हो सकती, अतः सेवानिवृत्ति तिथि का स्वागत मुस्कराकर करें।

**विजय मिश्रा**





# छत्तीसगढ़-तेलंगाना के बीच बिजली विक्रय हेतु करार

छत्तीसगढ़ राज्य में उत्पादित बिजली को क्रय करने हेतु तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा की गई पहल के अनुरूप 03 नवम्बर 14 को दोनों राज्यों के बीच 1000 मेगावाट बिजली के लिए करार हुआ। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चन्द्रशेखर राव की उपस्थिति में एमओयू निष्पादन कार्यक्रम में तेलंगाना के वित्त मंत्री श्री ई.राजेन्द्रन एवं छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल तथा लोक निर्माण मंत्री श्री राजेश मूणत सहित छग शासन के मुख्य सचिव श्री विवेक ढांड, प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री अमन सिंह, तेलंगाना के ऊर्जा सचिव डॉ. एस.के.जोशी, प्रमुख सचिव श्री एस.एन.राव, सीएमडी (पारेषण कंपनी) श्री डी.प्रभाकर राव उपस्थित थे।

तेलंगाना को बिजली देने के लिए एम.ओ.यू. पर छत्तीसगढ़ सरकार के ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव श्री अमन कुमार सिंह तथा तेलंगाना सरकार के ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव श्री एस.के. जोशी ने हस्ताक्षर किये। छत्तीसगढ़ राज्य के इतिहास में इतने बड़े पैमाने पर बिजली विक्रय करने हेतु पहली बार आयोजित इस कार्यक्रम में पॉवर कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री सुबोध सिंह, श्री विजय सिंह, श्री ए.के.गर्ग एवं छग शासन के ऊर्जा सचिव श्री आनंद बाबू एवं ओएसडी श्री रत्नम ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ से और अधिक बिजली लेने की मंशा को व्यक्त करते हुये तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री श्री के.चन्द्रशेखर राव ने कहा कि नवोदित राज्य की स्थापना में अनगिनत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। छत्तीसगढ़ ने ऐसी कठिनाइयों को सहजता से पार करके हर एक क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। तेलंगाना राज्य छत्तीसगढ़ के विकास की अवधारणा को लेकर आगे बढ़ेगा। आगे श्री राव ने कहा कि छत्तीसगढ़ का कृषि जगत भी अत्यंत उन्नत एवं विकसित बन गया हैं। इसके पीछे मूल कारण यहां किसानों को बिजली संबंधी दी जा रही अधिकाधिक सुविधा ही हैं।

इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ के गठन से ही पड़ोसी राज्यों के साथ सहयोग बनाये रखने की हमारी नीति रही है। इसका अनुपालन करते हुये छत्तीसगढ़ के विद्युत उत्पादन क्षमता में हो रही वृद्धि और राज्य की बढ़ती हुई मांग की पूर्ति कर शेष बिजली का विक्रय तेलंगाना राज्य को किया जायेगा। निजी क्षेत्र ने भी विद्युत उत्पादन को प्रोत्साहित किया है फलस्वरूप आज 4650 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। 12वीं पंचवर्षीय योजना में निजी क्षेत्र में 20 हजार मेगावाट से अधिक बिजली उत्पादन करने कार्य हाथ में लिये हैं।

इसी क्रम में प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री अमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की बिजली को कम से कम समय में तेलंगाना कैसे पहुंचाया जाए, जो दोनों राज्यों की विद्युत कंपनियों के समक्ष बड़ी चुनौती है पर तकनीकी सोच के साथ सार्थक पहल कर समाधान ढूंढा जायेगा और दोनों राज्यों के सहयोग से एक नई दिशा के साथ हम दूसरे राज्यों के सामने नई मिसाल कायम करेंगें। बिजली आपूर्ति का कारोबार वितरण कंपनी द्वारा किया जाता है लेकिन इस क्षेत्र में व्यापार के लिए अधिकांश रेगुलेशन केन्द्र द्वारा बनाये गये है जिससे इस क्षेत्र में चुनौतियां आई हैं। ऐसी चुनौतियों का सामना करते हुये तेलंगाना और छत्तीसगढ़ आपस में मिलकर व्यवस्था में बदलाव की मांग भारत सरकार से करें।

तेलंगाना राज्य को दी जाने वाली बिजली की दर राज्य के नियामक आयोग द्वारा निर्धारित की जायेगी तथा बिजली पहुंचाने में होने वाले पारेषण व्यय का वहन तेलंगाना राज्य करेगा। इससे वितरण कंपनी को अतिरिक्त आय होगी। साथ ही यह ध्यान रखा जायेंगा कि छत्तीसगढ़ राज्य में बिजली की उपलब्धता मांग के अनुरूप सदैव बनी रहे। प्रदेश में निजी विद्युत उत्पादकों से मिलने वाली बिजली को ध्यान में रखते हुये यह अनुबंध किया गया है। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री सुबोध सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री विजय मिश्रा द्वारा किया गया।

# राज्य अलंकरण समारोह में श्री जे.एल. पटेल सम्मानित

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में कार्यरत संयंत्र पर्यवेक्षक श्री जे.एल.पटेल को छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण समारोह 2014 में श्रम विभाग की ओर से देय महाराजा रामानुज प्रताप सिंह देव सम्मान से अलंकृत होने का गौरव प्राप्त हुआ।

इस पुरस्कार के अन्तर्गत मान. राज्यपाल श्री बलराम दास टंडन एवं मान. मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा श्री पटेल को शाल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह, सम्मान पत्र सहित एक लाख रूपये से सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग द्वारा प्रदत्त यह पुरस्कार श्री पटेल को उत्कृष्ट श्रम तथा पूर्व में अर्जित उपलब्धियों के आधार पर दिया गया। विदित हो कि विगत 39 वर्षों से कोरबा के विभिन्न ताप विद्युत गृहों में कार्यरत श्री पटेल को मध्यप्रदेश विद्युत मंडल मुख्यालय जबलपुर, छत्तीसगढ़ विद्यत मंडल मुख्यालय में विशिष्ट सेवा पदक, छत्तीसगढ राज्य शासन श्रम कल्याण मंडल से उत्तम श्रमिक पुरस्कार तथा नवभारत ग्रुप से श्रम रत्न सम्मान भी प्राप्त है। श्री पटेल ने राज्यस्तरीय इस अंलकार को पाने का श्रेय कोरबा पश्चिम के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित अपनी धर्मपत्नी श्रीमती रामप्यारी को दिया।

# बिजली क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ को मिले तीन राष्ट्रीय पुरस्कार

बिजली के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ को तीन राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए ऊर्जा विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। बिजली क्षेत्र में पहला पुरस्कार राज्य को पावर सेक्टर में निवेश और अधोसंरचना निर्माण के सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए दिया गया तथा ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव श्री अमन कुमार सिंह को बिजली के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले देश के सर्वश्रेष्ठ ब्यूरोक्रेट का पुरस्कार प्रदान किया गया।

ये पुरस्कार ऊर्जा क्षेत्र में कार्य करने वाली प्रतिष्ठित पत्रिका इनरशिया (Inertia) द्वारा आयोजित समारोह में 27 नवम्बर 2014 को नई दिल्ली में प्रदान किये गये। छत्तीसगढ़ की आवासीय आयुक्त श्रीमती बी.व्ही. उमादेवी ने इन दो पुरस्कारों को ग्रहण किया। दूसरा पुरस्कार छत्तीसगढ़ सरकार के उपक्रम अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) को सौर ऊर्जा के उपयोग से जल शोधन तकनीक यंत्र बनाने के लिए प्रदीप पिंपले ग्रास रूट इनोवेशन अवार्ड से नवाजा गया। यह पुरस्कार क्रेडा की ओर से अधीक्षण अभियंता श्री आर. के. शंकर ने ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में बिजली उत्पादन पारेषण और वितरण के क्षेत्र में विगत कुछ वर्षों में सराहनीय कार्य हुए हैं। छत्तीसगढ़ वर्ष 2008 से लगातार देश का विद्युत कटौती मुक्त राज्य बना हुआ है। बिजली के क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार सरप्लस बिजली उत्पादन, 12वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक 70 हजार मेगावाट उत्पादन के लक्ष्य की ओर अग्रसर, 97 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र में बिजली की उपलब्धता, 1.92 लाख करोड़ रूपये के पूंजी निवेश प्रस्तावों ए टी एंड डी नुकसान को 26.72 प्रतिशत से 19.79 प्रतिशत तक कम करने आदि उपलब्धियों के लिए ज्यूरी द्वारा प्रदान किया गया है। ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव श्री अमन कुमार सिंह को देश में ऊर्जा क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले ब्यूरोक्रेट का सम्मान बलरामपुर के तातापानी में देश के प्रथम जियोथर्मल पावर प्लांट को स्थापित करने के प्रयास करने, छत्तीसगढ़ को सरप्लस बिजली वाले राज्य से बिजली धनी राज्य के रूप में परिवर्तित करने के ठोस प्रयास के लिए, अधोसंरचना और उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करने आदि के लिए प्रदान किया गया है।

# राज्योत्सव में पॉवर कंपनी मंडप को मिला उत्कृष्टता पुरस्कार

छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना दिवस पर आयोजित राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी द्वारा प्रदर्शित प्रदर्शनी मण्डप को सर्वश्रेष्ठता की श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि विधानसभा के अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल सहित कृषि मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल, संस्कृति मंत्री श्री अजय चन्द्राकर एवं लोक निर्माण मंत्री श्री राजेश मूणत से रायपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री एम.एल.मिश्रा एवं नोडल अधिकारी श्री पी.के.खरे, श्री हर्ष गौतम ने पुरस्कार ग्रहण किया।

राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी द्वारा ''सबके साथ-सबका विकास'' पर केन्द्रित आकर्षक प्रदर्शनी मण्डप की स्थापना की गई है। प्रदर्शनी में विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण के क्षेत्र में प्रदेश में हो रहे विकास को कलरफूल डिस्प्लेबोर्ड, वर्किंग मॉडल, आकर्षक झांकिया प्रदर्शित की गई। प्रदर्शनी के अवलोकनार्थ पहुंचे उपभोक्ताओं को बिजली संबंधी कार्य ऑन लाईन करने, मोबाईल से एस.एम.एस. के जरिए विद्युत देयक का भुगतान, बिजली बिल की जानकारी, बिजली संबंधी समस्याओं के निराकरण के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी देने अधिकारी/कर्मचारी तैनात किये गये जिसका लाभ हजारों शहरी एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं ने लिया एवं घर बैठे मोबाइल के माध्यम से बिजली विषयक कार्यों के निपटारे पर संतोष व्यक्त किया।

रायपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री एम.एल.मिश्रा के संयोजन में पारेषण, वितरण एवं उत्पादन कंपनी के दक्ष एवं अनुभवी अधिकारियों- कर्मचारियों की टीम ने छत्तीसगढ़ राज्य को देश का पॉवर हब सहित भविष्य में भी जीरो पॉवर कट स्टेट बनाये रखने हेतु प्रदेश में चल रही योजनाओं, ग्रामीण विद्युतीकरण, कृषि पम्प ऊर्जाकरण, एकल बत्ती कनेक्शन को वर्किंग माडल से प्रदर्शित किया।

# डी.डी.नगर में विद्युत जोन कार्यालय का लोकार्पण

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी द्वारा रायपुर के विद्युत उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याओं के शीघ्र निराकरण हेतु 16 जोन कार्यालय प्रारंभ किये गये हैं। इससे उपभोक्ताओं की विद्युत अधिकारियों तक सहज सम्पर्क होने के साथ ही नये कनेक्शन, मीटर बदलना, विद्युत विषयक आदि कार्यों का शीघ्र निष्पादन होने लगा है। इसी कड़ी में दीनदयाल उपाध्याय नगर विद्युत जोन कार्यालय के नये भवन का लोकार्पण मान. लोकनिर्माण एवं परिवहन मंत्री श्री राजेश मूणत के मुख्य आतिथ्य, मान. पार्षद श्री ज्ञानेश शर्मा सहित अन्य विशिष्टजनों, गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में 03 दिसम्बर 14 को हुआ।

समारोह में मान. लोकनिर्माण मंत्री श्री मूणत ने बिजली को जन-जन की ताकत बताते हुये प्रदेश की उन्नति का प्रमुख आधार बताया और राजधानी की विद्युत प्रणाली को विकसित करने के लिए किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। इसी क्रम में पार्षद श्री शर्मा ने कहा कि अब उपभोक्ताओं के समय एवं श्रम की बचत होगी। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने बधाई दी। इस अवसर पर रायपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री एम.एल.मिश्रा ने बताया कि छत्तीसगढ़ विद्युत कटौती मुक्त राज्य है। इसका लाभ प्रदेश के उपभोक्ताओं को देने हेतु नये उपकेन्द्रों, नये कार्यालय भवन का निर्माण तेजी से किये जा रहे हैं। डी.डी.नगर में निर्मित नया जोन कार्यालय भवन इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री डी.के.भालेराव ने बताया कि वितरण कंपनी ने अपनी दक्षता को बढ़ाया है, उपभोक्ताओं को अब बिजली संबंधी कार्यों के लिए कम समय में बेहतर परिणाम की प्राप्ति होने लगी है। इसे बढ़ाने हेतु आधुनिक तकनीकी युक्त कार्यालय भवनों का निर्माण किया जा रहा है।

कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों का स्वागत वरिष्ठ अधिकारियों सहित कार्यपालन अभियंता सर्वश्री पी.के.खरे, व्ही.ए. देशमुख, बी.के. गौतम, हरप्रीत भाटिया, जितेश देवांगन, श्री मुरारी, भारती शर्मा ने किया। कार्यक्रम का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा द्वारा किया गया।

## खपराभट्ठी, रायपुर विद्युत उपकेन्द्र लोकार्पित

रायपुर शहर की विद्युत प्रणाली को विकसित करने की दिशा में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी द्वारा समता कालोनी के निकट 33/11 के.व्ही क्षमता के खपराभट्ठी, रायपुर विद्युत उपकेन्द्र को क्रियाशील किया गया। लगभग दो करोड़ की लागत से निर्मित इस उपकेन्द्र का लोकार्पण माननीय मंत्री लोक निर्माण, परिवहन, श्री राजेश मूणत ने पार्षद श्री प्रमोद दुबे एवं अन्य विशिष्टजनों, नागरिकों की उपस्थिति में 28 नवम्बर 2014 को किया।

इस अवसर पर मान. मंत्री श्री मूणत ने प्रदेश में हुये विद्युत विकास के लिए विद्युत कर्मियों की सराहना करते हुये कहा कि राज्य गठन पश्चात् हुई प्रगति से छत्तीसगढ़ ने विकास के नये आयाम स्थापित किये हैं। यहां बिजली आम आदमी की ताकत बन गई है साथ ही साथ छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दे रही है। इसी क्रम में श्री प्रमोद दुबे ने रिकार्ड टाईम पर विद्युत उपकेन्द्र बनाने को विद्युत कर्मियों की दक्षता कहा तथा इस उपकेन्द्र को क्षेत्रवासियों के लिए एक बड़ी सौगात बताया।

कार्यक्रम में वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री एम.एल.मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में रायपुर शहर में 2.75 लाख विद्युत उपभोक्ताओं को समुचित वोल्टेज पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने 33/11 के.व्ही. के कुल 52 उपकेन्द्र क्रियाशील हैं। नये उपकेन्द्र की क्रियाशीलता से लगभग 6 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत की आपूर्ति होगी। साथ ही विद्युत विषयक समस्याओं का निदान भी शीघ्रता से हो सकेगा।

इसी क्रम में मुख्य अभियंता (एस.टी.आर.ई.) श्री जी.डी. गोलवलकर ने बताया कि आर.ए.पी.डी.आर.पी. योजना का तेजी से क्रियान्वयन राजधानी रायपुर में किया जा रहा है जिसके तहत् 33/11 केव्ही के नये उपकेन्द्रों का निर्माण, 2064 वितरण ट्रांसफार्मरों की स्थापना, 944 किलोमीटर खुले तार के स्थान पर ए.बी. केबल बिछाने का कार्य प्रस्तावित है। पूरे प्रदेश में 19 शहरों की विद्युत वितरण प्रणाली का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है जिसमें 13 शहरों का कार्य पूर्ण हो चुका है, शेष 6 शहरों का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों का स्वागत वरिष्ठ अधिकारियों सहित मुख्य अभियंता श्री डी.के. भालेराव, कार्यपालन अभियंता श्री व्ही.ए. देशमुख ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन अधीक्षण अभियंता श्री पी.के. खरे ने तथा कार्यक्रम का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा द्वारा किया गया।

## राज्य खेल पुरस्कार समारोह में प्रदीप साहू को उत्कृष्ट खिलाड़ी सम्मान

छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राज्य खेल पुरस्कार अलंकरण समारोह में श्री प्रदीप साहू को उत्कृष्ट खिलाड़ी का पुरस्कार प्रदान किया गया। 04 नवम्बर 2014 को आयोजित सम्मान समारोह में माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा उत्कृष्ट खिलाड़ी भर्ती नियम के तहत संचालनालय, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, रायपुर में डाटा एन्ट्री ऑपरेटर के पद पर नियुक्ति आदेश प्रदान किया गया।

श्री प्रदीप साहू छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनी के मुख्य अग्निशमन एवं सहसुरक्षा अधिकारी, डंगनिया रायपुर कार्यालय में कार्यरत श्री सी.एल.साहू (वरिष्ठ सुरक्षा सैनिक) के सुपुत्र हैं। प्रदीप साहू सॉफ्टबाल खेल में 2013 में उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित हुए हैं। वे विगत 12 वर्षों से सॉफ्टबाल के खिलाड़ी रहे हैं।

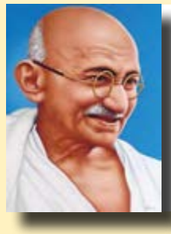

श्रम के बगैर संपदा,
आत्मा के बगैर आनंद,
मानवता के बगैर
विज्ञान, चरित्र के बगैर

ज्ञान, सिद्धांतों के बगैर
राजनीति, नैतिकता
के बगैर व्यापार और
त्याग-बलिदान के बगैर

पूजा-अर्चना.... ये सात
सबसे जघन्य पाप हैं।

**महात्मा गांधी**





## पॉवर कंपनी में ''डायबिटीज को जानें'' पर केन्द्रित संगोष्ठी संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी मुख्यालय में ''डायबिटीज को जाने'' पर केन्द्रित चिकित्सा संगोष्ठी का आयोजन 19 नवम्बर 14 को किया गया। संगोष्ठी में डायबिटीज के कारण, निदान के अलावा डायबिटीज के बारे में फैले भ्रामक बातों का प्रभावी प्रस्तुतिकरण किया गया। संगोष्ठी के आरंभ में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.एल.पंचारी ने पॉवर कंपनी अध्यक्ष श्री शिवराज सिंह सहित प्रबंध निदेशक पारेषण कंपनी श्री विजय सिंह एवं प्रबंध निदेशक होल्डिंग कंपनी श्री अनूप गर्ग का स्वागत किया। विश्व मुधमेह दिवस 14 नवम्बर के इतिहास पर व्याख्यान देते हुये डॉ. पंचारी ने बताया कि ग्लुकोज मानव शरीर के लिए आवश्यक ईधन है, किन्तु इसकी मात्रा शरीर में संतुलित होना चाहिये। ग्लुकोज का कम या अधिक होना शरीर के लिए हानिकारक सिद्ध होता है। इसके अनियंत्रित होने पर आंख, गुर्दा, हृदय, तंत्रिकायें, ब्लडप्रेशर, पैर प्रभावित होते हैं। संगोष्ठी में डॉ. पंकज अग्रवाल द्वारा निर्मित वीडियो के माध्यम से बताया गया कि डायबिटीज को हमेशा के लिए समाप्त नहीं किया जा सकता। डायबिटीजग्रस्त मरीजों को भ्रमित कर बाजार में अनेक दवायें उपलब्ध कराई गई है जिनका सेवन कर डायबिटीज को पूरी तरह से समाप्त किया जा सकता है। ऐसी दवाओं अथवा दावों से दूर रहने पर जोर दिया गया।

डायबिटीज के मरीज को सकारात्मक सोच के साथ ही नियमित व्यायाम, खानपान को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिये। उन्होंने यह भी बताया कि एक सामान्य व्यक्ति की तुलना में डायबिटिक व्यक्ति चिकित्सक के संपर्क में नियमित रहता है, जिससे जांच के दौरान अन्य होने वाली आकस्मिक बीमारियों की भी जानकारी यथासमय हो जाती है, जबकि सामान्य व्यक्ति चिकित्सक से दूर रहता है, अतः उसे यथासमय अपनी बीमारियों का ज्ञान नहीं हो पाता।

संगोष्ठी में उपस्थित पॉवर कंपनी के अधिकारियों/कर्मचारियों को डायबिटीज के बारे में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक गोले ने भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ब्राउन राइस, चोकरयुक्त गेहूं के आटे, रेशेदार खाद्य सामग्रियों के इस्तेमाल से शुगर लेवल को नियंत्रित रखा जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा ने किया।

## तोंगपाल विद्युत उपकेन्द्र का लोकार्पण

जगदलपुर क्षेत्र के (संचा-संधा) संभाग सुकमा अन्तर्गत 33/11 केव्ही उपकेन्द्र तोंगपाल का शुभारंभ 22 दिसम्बर 14 को सरपंच श्रीमती मंजरी बाई द्वारा किया गया। इसे 11 केव्ही के चार फीडर पुसपाल, मारेंगा, हमीरगढ़ व धूरीरास चालू कर लोड दिया गया। इस उपकेन्द्र को 32 किलोमीटर लंबी 33 के0व्ही0 छिंदगढ़-तोंगपाल लाईन से ऊर्जीकृत किया गया। इस उपकेन्द्र के शुभारंभ से तोंगपाल क्षेत्र में वोल्टेज में गुणात्मक सुधार हुआ तथा 61 ग्रामों के लगभग 8279 उपभोक्ता लाभान्वित हुए।

समारोह में जगदलपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री आर0बी0त्रिपाठी, अधीक्षण अभियंता (संचा-संधा) वृत्त जगदलपुर श्री यू.आर. मिर्चे, कार्यपालन अभियंता सुकमा श्री मंगल तिकी, श्री टी.के.ठाकुर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं तोंगपाल क्षेत्र के पंचगण व गणमान्य नागरिक उपस्थित हुये। तोंगपाल के नागरिकों द्वारा उपकेन्द्र के ऊर्जीकृत होने पर हर्ष व्यक्त किया गया जिस पर मुख्य अभियंता श्री त्रिपाठी ने नागरिकों को बधाई देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

# राज्यस्तरीय विद्युत विकास संबंधी समीक्षा बैठक संपन्न

प्रदेश में विद्युत विकास और विद्युत सेंवा में सुधार संबंधी कार्यों पर केन्द्रित राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक विद्युत सेवाभवन मुख्यालय में 15 नवम्बर 14 को संपन्न हुई। पॉवर वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री सुबोध कुमार सिंह ने प्रदेश के संभागीय स्तर तक के अधिकारियों से नये कनेक्शन देने के कार्य को प्राथमिकता, विद्युत भार वृद्धि संबंधी जानकारी, आकस्मिक विद्युत व्यवधान/अवरोध की सूचना एम.एम.एस. से देने, आर.जी.जी.व्ही.वाय. योजना में प्रगति जैसे बिन्दुओं पर सिलसिलेवार जानकारी ली।

बैठक में श्री सिंह ने मीटर रीडिंग, नये विद्युत कनेक्शन देने, विद्युत शिकायतों को समयसीमा से ज्यादा देर तक लंबित रखने वाले कर्मचारियों/अधिकारियों के विरूद्ध प्रशासनिक कार्यवाही करने के निर्देश सक्षम अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि विद्युत चोरी रोकने के लिए मीटर रीडर को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित किया जाये। बिजली चोरी पकड़ने में मदद करने वाले मीटर रीडर का नाम गुप्त रखते हुए 10 प्रतिशत राशि से पुरस्कृत करने निर्देशित किया। इसी क्रम में उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उपभोक्ताओं को यथासमय बिजली भुगतान हेतु प्रेरित करें उन्हें बतायें कि यथासमय भुगतान न करके वे स्वयं का नुकसान करते हैं, क्योंकि बकायादार के ऊपर 18 प्रतिशत की दर से ब्याज लगता है।

आगे श्री सिंह ने उपभोक्ता सेवा में सुधार हेतु मैदानी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द उपभोक्ताओं के मोबाईल नंबर रजिस्टर्ड कर लिये जाये, इससे आकस्मिक विद्युत व्यवधान एवं विद्युत अवरोध की सूचना एवं समयसीमा में शिकायतों के निराकरण की जानकारी उपभोक्ताओं को एस.एम.एस. के माध्यम से मिल सकेगी।

उन्होंने कहा कि केन्द्रीकृत काल सेंटर के 1912 नंबर पर दर्ज शिकायतों का निराकरण त्वरित करें। शिकायतों के निराकरण की जानकारी, झूठा फीड बैक अथवा शिकायत के निराकरण में अत्यधिक विलंब होने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। प्रदेश के विद्युत विकास में गड़बडी करने वाले डिफाल्टर ठेकेदारों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करते हुये उन्हें ब्लेकलिस्ट करने तथा उनसे वसूली हेतु उनकी संपति की जप्ती/नीलामी की कार्यवाही मैदानी अधिकारी तत्परता से करें। बैठक में उच्चाधिकारी सर्वश्री जी.सी.मुखर्जी, एच.आर. नरवरे, पी.के.अग्रवाल, कैलाश नारनवरे, एम.एल. मिश्रा, आर.बी.त्रिपाठी, एस.कुमार, ए.के. अग्रवाल, डी.जी.गोलवलकर, प्रहलाद सिंह, एस.के. ठाकुर, सहित रायपुर,बिलासपुर,अंबिकापुर, जगदलपुर, राजनांदगांव एवं दुर्ग के फील्ड आफिसर उपस्थित थे।

# 220 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र मुंगेली ऊर्जीकृत

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी द्वारा मुंगेली में नवनिर्मित 220/132/33 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र को 28 नवम्बर 2014 को ऊर्जीकृत कर एक बड़ी उपलब्धि पारेषण कंपनी के पटल पर दर्ज हुई। कंपनी के प्रबंध निदेशक, श्री विजय सिंह एवं अन्य उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत उपकेंद्र में 160 एमव्हीए एवं 40 एमव्हीए क्षमता के 02 ट्रांसफॉर्मर स्थापित किये गये हैं।

कंपनी के प्रबंध निदेशक, श्री सिंह ने बताया कि लगभग 27 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित इस उपकेंद्र को ऊर्जीकृत करने हेतु लगभग 21 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित 220 के.व्ही. की 38 किमी लम्बी लाईन बेमेतरा से चालू की गई है। इस उपकेंद्र के चालू होने के साथ ही मुंगेली का वर्तमान 132/33 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र इस 220 के.व्ही. उपकेंद्र से जुड़ गया है। इस उपकेंद्र के निर्माण से अब पण्डरिया, कवर्धा, नवागढ़ तथा मुंगेली को बेमेतरा एवं भाटापारा 220 के.व्ही. उपकेंद्र के साथ 220 के.व्ही. मुंगेली उपकेंद्र से भी विद्युत सप्लाई होगी, जिससे विशेष रूप से कवर्धा तथा आसपास के अन्य रहवासियों को कृषि, घरेलू, व्यवसायिक एवं उद्योग संबंधी कार्यों के लिए बिना अवरोध की विद्युत प्राप्त होगी।

## ऐसे मिलेगा अच्छा जीवन

जर्मनी में एक बालक विलहेम पढ़ने से जी चुराता था, उसकी मां जब उसे स्कूल ले जाती तो वह नखरे करता। स्कूल में भी पढ़ता कम और शरारत ज्यादा करता रहता था। एक दिन स्कूल से लौटते हुए वह सड़क पर खेल रहे बच्चों को देखकर मां से बोला, ''आप मुझे स्कूल क्यों भेजती हैं? ये बच्चे भी तो बिना स्कूल गए बड़े हो रहे हैं। देखिये, ये कितने खुश हैं।''

मां चुपचाप सुनती रही। दूसरे दिन उसने विलहेम को घर के बाहर उग आए झाड़ दिखाते हुए उससे पूछा, 'बताओ बेटा, इन्हें किसने उगाया है?' विलहेम बोला, 'मां, ये तो खुद ही उग आते हैं और ओस, बारिश का पानी और सूरज की गर्मी पाकर बढ़ जाते हैं।'

फिर मां ने घर में लगे गुलाब के पौधों को दिखाते हुए पूछा, 'और अब बताओ, ये फूल कैसे लग रहे हैं?' विलहेम ने जवाब दिया, मां, ये तो बहुत ही सुन्दर लग रहे हैं। इन्हें तो पिताजी रोज तराशते हैं। मां विलहेम से यही सुनना चाहती थी। उसने तपाक से कहा, 'बिल्कुल ठीक!' ये फूल इसलिए ज्यादा सुन्दर हैं, क्योंकि इन्हें प्रयास करके ऐसा बनाया गया है। जीवन भी ऐसा ही है। हमें अच्छा जीवन प्रयासों से ही मिलता है। इसके लिए अच्छी शिक्षा, बेहतर प्रशिक्षण और परिश्रम की जरूरत पड़ती है। तुममें और उन स्कूल न जाने वाले बच्चों में क्या फर्क है, यह तुम्हें आगे चलकर पता चलेगा। मां की यह सीख विलहेम ने गांठ बांध ली। आगे चलकर इसी विलहेम ने एक्स-रे की खोज की और भौतिकी में नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया।



# पॉवर कंपनी में व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कम्पनीज के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु व्यक्तित्व विकास (इनर इंजीनियरिंग) विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में शांतिकुज हरिद्वार के प्रबुद्ध प्रशिक्षक सर्वश्री जयराम मोटलानी एवं आशीष कुमार सिंह ने प्राणी जगत में मनुष्य को ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति बताया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मनुष्य के भीतर विभिन्न गुणों के बीज निहित होते हैं। सुव्यवस्थित, सुसंस्कारित शिक्षा एवं संगत के माध्यम से इनका विकास होता है। सद्गुणों का परहित में सदुपयोग करके व्यक्तित्व में सहजता से निखार लाया जा सकता है।

कार्यशाला के शुभारंभ सत्र में पॉवर कंपनी के प्रबंध निदेशक सर्वश्री एस.बी.अग्रवाल एवं ए.के. गर्ग ने रोजमर्रा के कार्यों के अलावा मानव कल्याण सहित प्रकृति-संस्कृति संबंधी कार्यों से जुड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर उपस्थित कार्यपालक निदेशक (वित्त) श्री एम.एस.चौहान, कार्यपालक निदेशक (मा0सं0) श्री शारदा सिंह, मुख्य अभियंता श्री शिरीष टिल्लू, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री राजेश व्यास, अति.महाप्रबंधक सर्वश्री अजय श्रीवास्तव, एस.के.शर्मा, शोभना सिंह, ईरापंत ने शांतिकुज के प्रशिक्षक द्वय का स्वागत किया। प्रबंधक निदेशक श्री गर्ग द्वारा प्रशिक्षकों को शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। कार्यशाला का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा ने किया। दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षक श्री आशीष सिंह ने जीवन प्रबंधन, व्यक्तित्व परिष्कार पर विचार व्यक्त करते हुये कहा कि बदलते समय में संचार के साधन तो बढे हैं, पर इसके विपरीत आपसी सम्पर्कों में कमी आ गई है। पारस्परिक संबंधों में प्रागढ़ता और स्वार्थ के परित्याग और आत्मा की आवाज को सुनने से ही मानव जीवन में सुख-शांति कायम रह सकती है। इसी क्रम में श्री जयराम मोटवानी ने कहा कि मनुष्य का व्यक्तित्व उसके आसपास के परिवेश से प्रभावित होता है। मन में अच्छे विचारों को स्थापित करें तो निश्चित रूप से जीवन की यात्रा तनाव रहित और सुखकारी होगी। उत्थान और पतन ये दोनों बातें मनुष्य के ही हाथ में होती है। अपने श्रेष्ठ कर्मों के बूते वह उत्थान की ओर तथा अनैतिक कार्यों से पतन के पथ पर चला जाता है।

## जरा हंस लें

पप्पू अपनी गर्भवती बीवी को अस्पताल ले गया और नर्स से बोला, ''अगर लड़का हो तो कहना कि टमाटर हुआ है और अगर लड़की हो तो कहना कि प्याज हुई है। इत्तेफाक से पप्पू की बीवी को जुड़वां लड़की और लड़का हुए। ऐसे में नर्स चकरा गई और बाहर आकर बोली...

'सर बधाई हो..... आपको सलाद हुआ है।'

# 132 के.व्ही. पुलगांव उपकेंद्र एवं पारेषण लाईन ऊर्जीकृत

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी द्वारा प्रदेश में अतिउच्चदाब उपकेन्द्रों एवं लाईनों का विस्तार तेजी से किया जा रहा है। इसी क्रम में पुलगॉव में नवनिर्मित 132/33 के.व्ही.उपकेन्द्र एवं उससे सम्बद्ध पारेषण लाईन को कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री विजय सिंह एवं अन्य उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में सफलतापूर्वक 21 नवम्बर 14 को ऊर्जीकृत किया गया। इस उपकेंद्र में 40 एमवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। एमडी श्री विजय सिंह ने बताया कि लगभग 14 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित इस उपकेन्द्र में 9 किमी की 132 के.व्ही पारेषण लाईन डाली गई है जिसकी लागत रूपये 5.5 करोड़ रूपये आई है।

आगे श्री सिंह ने बताया कि इस उपकेंद्र के ऊर्जीकृत होने से पूर्व इस क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति 132 के.व्ही. उपकेंद्र भिलाई एवं रूआंबांधा तथा औद्योगिक आपूर्ति रसमड़ा से की जाती थी जिसके कारण यहां के रहवासियों को विद्युत संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। इस उपकेंद्र के निर्माण के पश्चात् इस प्रकार के समस्त व्यवधानों से यहां के निवासियों को अब राहत मिलेगी और उन्हें गुणवत्तापूर्ण सतत् विद्युत आपूर्ति हो सकेगी। इस उपकेंद से मुख्यतया दुर्ग शहर लाभान्वित होगा।

## श्री राजेश व्यास पॉवर कंपनी के मुख्य सतर्कता अधिकारी नियुक्त

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के आदेशानुसार श्री राजेश व्यास की नियुक्ति पॉवर कंपनी में मुख्य सतर्कता अधिकारी के पद पर की गई। तद्नुसार श्री व्यास ने 8 दिसंबर 2014 को अपना पदभार कंपनी मुख्यालय में ग्रहण किया। इस मौके पर पॉवर कंपनी के उच्चाधिकारियों-कर्मचारियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अधिकारियों-कर्मचारियों के संबंध में कदाचरण संबंधी शिकायतों की जांच मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा की जायेगी।

श्री व्यास ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनी की पहचान उत्कृष्ट कार्य-निष्पत्ति प्रदर्शन करने हेतु जाना जाता हैं। ऐसी संस्थान में सेवा का अवसर मिलना प्रसन्नता की बात है। प्रदेश की प्रगति में जुटे इस महत्वपूर्ण संस्थान के अधिकारियों-कर्मचारियों को कदाचरण से दूर रखने की सदैव मेरी कोशिश होगी।

## पॉवर कंपनी में सतर्कता प्रकोष्ठ का गठन

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी में सतर्कता प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। उक्त प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री राजेश व्यास मध्यप्रदेश पुलिस की सेवायें प्रतिनियुक्ति पर ली जाकर उन्हें मुख्य सतर्कता अधिकारी के पद पर पदस्थ किया गया है। इस प्रकोष्ठ द्वारा कंपनीज के अधिकारियों-कर्मचारियों के कदाचरण संबंधी निम्नलिखित स्वरूप की शिकायतें / प्रचलित शिकायत प्रकरण की जांच का कार्य किया जायेगा।

ऐसे शिकायत पत्र / प्रकरण जिसमें पॉवर कंपनीज के अधिकारी-कर्मचारी द्वारा पद का दुरूपयोग स्वयं के लाभ, किसी अन्य व्यक्ति या संस्थान (कंपनी, सोसायटी आदि) को नियम विरूद्ध लाभ पहुंचाने अथवा नियमों की अवहेलना कर पॉवर कंपनी को हानि पहुंचाने हेतु किया गया हो। ऐसे शिकायत पत्र / प्रकरण जिसमें किसी अधिकारी-कर्मचारी द्वारा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियमों (जिन्हें पॉवर कंपनी द्वारा एडॉप्ट किया गया है) के उल्लंघन किये जाने की शिकायत की गई हो। पॉवर कंपनीज के समस्त विभाग प्रमुखों को उक्त स्वरूप की शिकायतें / प्रचलित शिकायत प्रकरण शीघ्रातिशीघ्र सतर्कता प्रकोष्ठ को सौंपने निर्देशित किया गया हैं।

## श्री राजेश व्यास का जीवन परिचय

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी में मुख्य सतर्कता अधिकारी के पद पर नवपदस्थ श्री राजेश व्यास का जन्म 01 जुलाई 1969 को जबलपुर (म.प्र.) में हुआ। अपनी माता श्रीमती प्रेमा व्यास एवं पिता श्री एम.एल. व्यास से सुसंस्कार सहित जीवन में अनवरत आगे बढ़ने की प्रेरणा आपको मिली।

आपने हायर सेकण्डरी की परीक्षा वर्ष 1986 में उत्तीर्ण की तथा वर्ष 1990 में (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) बी.ई. की उपाधि मौलाना आजाद कालेज (वर्तमान में एमएएनआईटी) भोपाल से प्राप्त की। शिक्षा जगत में आगे बढ़ते हुये वर्ष 2005 में स्ट्रैथक्लाइड बिजनेस स्कूल ग्लासगो यू.के. से फाइनेंस में विशेष दक्षता के साथ आपने एमबीए की उपाधि प्राप्त की।

शिक्षा की पूर्णता के उपरांत आपने अपने कैरियर में नगर पुलिस अधीक्षक के पद पर इंदौर, सतना, छिंदवाड़ा, मंदसौर, सागर में अपनी सफलतम सेवायें दी। सेवायात्रा में आगे बढ़ते हुये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर रतलाम, देवास, उज्जैन में पदस्थ रहे। साइबर क्राईम और इंवेस्टीगेशन आफ इकोनामिक एण्ड कार्पोरेट क्राइम पर आपने सीबीआई से विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया।

अपने कार्यकाल के दौरान वर्ष 2010 में आपने आतंकवादी संगठन सिमी के 13 आतंकवादियों की गिरफ्तार एवं पूछताछ के मामलें में महत्वपूर्ण भूमिका का निवर्हन किया। आपके इस साहसिक प्रयास की सराहना करते हुये मध्यप्रदेश शासन के मान. मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 15 अगस्त 2012 को पुरस्कार स्वरूप रिवाल्वर भेंट कर सम्मानित किया। कानून व्यवस्था को बनाये रखने और नागरिक सुरक्षा के प्रति सजग रहते हुये पुनः वर्ष 2012 में आतंकवादी संगठन सिमी के दो आतंकवादियों को अपने रतलाम में गिरफ्तार किया जिसके फलस्वरूप वर्ष 2014 में माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन श्री शिवराज चौहान द्वारा उन्हें पुरस्कार स्वरूप रिवाल्वर भेंट कर पुनः सम्मानित किया गया। इस तरह आतंकवाद की समाप्ति सहित देश-प्रदेश में अमन चैन कायम रखने में आपने उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

कार्य के प्रति समर्पण की भावना, टीमवर्क, कर्तव्य निर्वहन में नये प्रयोग एवं कारगर अभिनव पहल को आप अपनी उन्नति एवं सफलता का मूलमंत्र मानते हैं। शासन की जनहितैषी नीतियों का समुचित लाभ जरूरतमंदो को मिले, यही लक्ष्य कार्यक्षेत्र में आप रखते हैं। फोटोग्राफी में आपकी विशेष अभिरूचि है। इस क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी दी है।





## बलौदा बाजार में शून्य दुर्घटना लक्ष्य पर केन्द्रित प्रशिक्षण शिविर

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी बलौदा बाजार संभाग में शून्य दुर्घटना के लक्ष्य पर केन्द्रित कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 13-14 नवम्बर को किया गया। प्रशिक्षण के दौरान समय प्रबंधन, सुरक्षा, सकारात्मक सोच जैसे विषयों पर व्याख्यान दिये गये। शिविर में बलौदा बाजार संभाग के 35 अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुये। इन्हें संबोधित करते हुये कार्यपालन अभियंता श्री व्ही.के.राठिया ने अपने दायित्वों का निवर्हन सम्पूर्ण आत्मविश्वास के साथ करने का आव्हान किया। शिविर में पॉवर कंपनी के उपमहाप्रबंधक (औ0सं0) श्री गोपाल खण्डेलवाल, केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मण्डल रायपुर की क्षेत्रीय निदेशक श्रीमती किरण मलिक खत्री, श्रमिक शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद एस धुर्वे ने अपनी सक्रिय भागीदारी दी।

प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन के गुर सिखाते समय श्री प्रशांत गजभिये ने प्रोजेक्टर का संचालन किया। रायपुर क्षेत्र के कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान योग प्रशिक्षण दिया गया। समापन कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन अनुभाग अधिकारी श्री एल.पी.साव ने किया।

## राज्य ग्रिड समन्वय समिति की बैठक भार प्रेषण केन्द्र में संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी मुख्यालय स्थित राज्य भार प्रेषण केन्द्र में 22 दिसम्बर 2014 को राज्य ग्रिड समन्वय समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण कंपनी के उच्चाधिकारियों के अलावा भिलाई इस्पात संयंत्र, मे. जिंदल एवं निजी विद्युत उत्पादन संस्थान के प्रतिनिधिगण शामिल हुये।

समिति के अध्यक्ष एवं पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक विजय सिंह ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया। बैठक के दौरान ओपन एक्सेस, मानिटरिंग एवं एनर्जी अकाउटिंग, आपरेशन जैसे विषयों पर गहन विचार विमर्श किया गया तथा विभिन्न रेगुलेशन में अद्यतन जानकारियों से सदस्यों को अवगत कराया गया। राज्य ग्रिड समन्वय समिति में मेसर्स बालको के स्थान पर मेसर्स जे.एस.पी.एल., रायगढ़ को सदस्य के रूप में सम्मिलित किया गया तथा इस अवसर पर नेशनल पॉवर टेऊनिंग इंस्टीटयूट द्वारा प्रदत्त 'सिस्टम आपरेटर सर्टिफिकेट' का वितरण स्टेट ग्रिड कोड के निर्देशों के अनुसार भार-प्रेषण केन्द्र के सफल अभियंताओं को किया गया। इसके अतिरिक्त सिस्टम आपरेशन एंड प्रोटेक्शन कमेटी का गठन किया गया जिसकी बैठक प्रतिमाह 28 तारीख को निर्धारित की गई। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन मुख्य अभियंता श्री डब्ल्यू.आर.वानखेड़े ने किया।

## रायपुर क्षेत्र के लाईन कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

रायपुर रीजन के लाईन कर्मचारियों के लिए आयोजित सी एण्ड डी कार्यक्रम के अन्तर्गत वैरियन्ट-सात के निर्धारित विषयों सहित ट्रांसफार्मर फेल होने के कारण एवं निदान, सुरक्षा संबंधी उपकरणों के उपयोग आदि का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को बेहतर कार्य प्रदर्शन करने हेतु कार्यपालक निर्देशक श्री एम. एल. मिश्रा ने प्रेरित किया।

9 से 11 दिसम्बर तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता सर्वश्री एन.बिम्बिसार, एम.डी.बड़गईया, सहायक अभियंता सर्वश्री एवल चंद्राकर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान सुरक्षा संबंधी उपकरणों के उपयोग करने एवं कंपनी हित में कार्य करने की शपथ प्रतिभागियों ने ली। कार्यक्रम के समापन समारोह पर कार्यपालन अभियंता श्री व्ही.के.शर्मा द्वारा प्रतिभागियों को टूल किट कोर्स मटेरियल और सर्टिफिकेट वितरित किये गये।

## परिचयावली

# महाप्रबंधक (वित्त) श्री आलोक सिंह

जो चाहते हो, अपने हाथों से लिख लो, हथेलियों पर सब कुछ, लिखा नहीं होता इन पंक्तियों को साकार करने वालों में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी मर्यादित रायपुर में महाप्रबंधक (वित्त) के पद पर सेवारत श्री आलोक सिंह का नाम दर्ज है। आपका मानना है कि अपनी क्षमता के अनुरूप हरेक दायित्वों का निर्वहन शत-प्रतिशत कमिटमेंट के साथ करना सफलता को सुनिश्चित कर देता है। रीवा मध्यप्रदेश में 22 मार्च 1964 को आपका जन्म हुआ और जीवन में सफलता के पथ पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा आपको अपनी माता श्रीमती सावित्री सिंह एवं पिता श्री रामराज से मिली।

आपकी कामयाबी की कथा में सैनिक स्कूल रींवा और शासकीय अभियांत्रिकीय महाविद्यालय (वर्तमान में राष्टीय प्रौद्योगिकी संस्थान) रायपुर का विशेष स्थान है, जहां से आपने वर्ष 1981 में सीनियर स्कूल सेकेण्डरी परीक्षा (10+2) पास की तथा आगे वर्ष 1987 में बी.ई. (सिविल) इंजीनियरिंग की उपाधि प्राप्त की। विद्या अध्ययन की पूर्णता के उपरांत वर्ष 1990 में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल के टोंस जल विद्युत परियोजना सिरमौर से अपनी सेवायात्रा प्रशिक्षु (सहायक अभियंता-सिविल) के पद से आरंभ की। आगे वर्ष 1991 में सिरमौर में ही आप सहायक अभियंता बने।

आपने बेहतर कर गुजरने की चाहत के साथ वर्ष 1993 में इंजीनियरिंग क्षेत्र से वित्त एवं लेखा के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई। आपकी पदस्थापना जबलपुर के अतिरिक्त निर्देशक (लेखा) कार्यालय में लेखाधिकारी के रूप में हुई। इस क्षेत्र के कार्य में दक्षता लाने आई.एफ.एम.आर. चेन्नई से आपने वित्तीय प्रबंधन में 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स किया। आगे 1997 में वरिष्ठ लेखाधिकारी के पद पर आपको पदोन्नति प्राप्त हुई और आपकी पदस्थापना कार्यपालक निर्देशक (वित्त एवं लेखा) कार्यालय जबलपुर में हुई। इसी वर्ष में अपने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से एम.बी.ए. (फाइनेंशियल मैनेजमेंट) की उपाधि प्राप्त की। कार्यों के प्रति निष्ठा और सदैव उम्दा परिणाम देने की आपकी कार्यशैली से आपको वर्ष 2001 में उपनिदेशक (वित्त एवं लेखा) एवं सन् 2007 में संयुक्त निदेशक के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपकी पदस्थापना मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी, जबलपुर में हुई।

वर्ष 2009 में पुनः आपको कार्यक्षेत्र बदलने का अवसर प्राप्त हुआ। आपकी पदस्थापना अतिरिक्त महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) के पद पर नवोदित राज्य छत्तीसगढ़ में विद्युत वितरण कंपनी, रायपुर में हुई। आपके कार्यों की श्रेष्ठता का मूल्यांकन करते हुए पॉवर कंपनी द्वारा आपको वर्ष 2011 में महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) के पद पर पदोन्नति दी गई और आपकी पदस्थापना छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी मर्यादित रायपुर में हुई। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल पेंशन एवं गेच्युटी ट्रस्ट के सचिव के दायित्व का निर्वहन भी आप 2012 से कर रहे हैं।

वित्त क्षेत्र के बहुप्रतिष्ठित संस्थान पॉवर फाइनेन्स कारपोरेशन में आपने इंटरनेशनल रिसोर्स मोबीलाईजेशन तथा एशियन डेवलपमेंट बैंक (ए.डी.बी.) लोन डिस्बर्समेंट पर आपने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वर्ष 2007 में मध्यप्रदेश विद्युत मंडल द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली के प्रस्तुतिकरण हेतु आप पुरस्कृत हुये हैं। इसी तरह वर्ष 2007 के दौरान ए.डी.बी. ऋण के अंतर्गत सेकण्ड जनरेशन इम्प्रेस्ट एकाउंट के प्रभावी प्रबंधन हेतु पुरस्कृत हुये। तकनीकी/वित्त लेखा क्षेत्र के अलावा आंकडों का विश्लेषण एवं ट्रेकिंग में आपकी विशेष अभिरूचि है।

## दानवीरता

राजर्षि पुरूषोतमदास टंडन राज्यसभा के सदस्य थे, तब की बात है। एक बार अपने भत्ते का चेक लेने के बाद वे राज्यसभा के कार्यालय में गये। समीप खड़े एक सज्जन से उन्होंने फाउन्टेन पेन लेकर वह चेक 'लोकसेवा मंडल' के नाम लिख दिया। इन महोदय ने जो देखा, तो उनसे रहा न गया, बोले, टंडनजी आपको भत्ते के मुश्किल से चार सौ रूपये मिले हैं, उन्हें भी आपने लोकसेवा को दे डाला ?

पेन वापस करते हुए टंडनजी कहने लगे, देखो भाई मेरे सात लड़के हैं और सातों अच्छी तरह कमाते हैं। मैंने प्रत्येक पर सौ रूपये का कर लगा रखा है। इस प्रकार प्रति मास मुझे सात सौ रूपये मिल जाते हैं। इनमें से मुश्किल से तीन-चार सौ रूपये व्यय होते हैं। शेष रकम भी मैं लोकसेवा मंडल को भेज देता हूँ। इन पैसों का मैं करुंगा भी क्या।

## तृप्ति का रहस्य

प्रभु ईसा अपने शिष्यों के साथ धर्म प्रचार के लिए भ्रमण कर रहे थे। रास्ते में रेगिस्तान पड़ा। कोई भी घर न दिखाई देने पर भोजन की समस्या उत्पन्न हुई। ईसा बोले- जो कुछ तुम लोगों के पास हैं, उसे इकट्ठा कर लो और सब मिलकर खा लो। शिष्यों के पास कुल मिलाकर पॉच रोटियॉ थीं और सब्जी के मात्र दो टुकड़े निकले। शिष्यों ने उसे भरपेट खाया और जो भूखे भिखारी उधर से निकले, उन्हें भी उसमें से कुछ हिस्सा दिया। वे सारे उससे तृप्त हो गये। तब सालोमन नामक एक शिष्य ने पूछा- गुरूवर, इतनी कम सामग्री में लोगों की तृप्ति का रहस्य क्या है? ईसा ने कहा-शिष्यों, धर्मात्मा वहीं है, जो स्वयं की नहीं सबकी सोचता है। अपनी बचत सबके काम आये, इसी विचार से तुम्हारी पॉच रोटियॉ और थोड़ी सी तरकारी अक्षय अन्नपूर्णा हो गयी। जो जोड़ते रहेंगे, वे हमेशा भूखे रहेंगे। जिन्होंने देना सीखा है, उनके लिए तृप्ति के साधन आप ही आप जुट जाते हैं।





# डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन

**डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में 14 से 21 दिसम्बर तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन विद्युत गृह के कार्यपालक निदेशक (उत्पा.) श्री एम.एस. कंवर के मुख्य आतिथ्य, अति.मुख्य अभियंता (संचा.-संधा.) श्री बी.एन. बिश्वास की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समारोह में अधीक्षण यंत्री जी.एक्का, श्री राजेश वर्मा, श्री एच.के. गुप्ता, श्री ए. पुनवटकर एवं श्री आर.के. राय (मुख्य रसायनज्ञ) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह में उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों को ऊर्जा संरक्षण की शपथ मुख्य अतिथि द्वारा दिलाई गई।**

ऊर्जा संरक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री कंवर ने ऊर्जा का उपयोग आवश्यकतानुसार ही करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री बिश्वास ने गृहणी को लक्षित करते हुए उपयोगी उपाय सुझाये। श्री वर्मा अधीक्षण यंत्री (यांत्रिकी संधा) ने सुझाया कि ऊर्जा बचत की प्रबुद्ध वर्ग को जानकारी तो हैं, बस उसको प्रयोग में लाने की आवश्यकता हैं एवं श्री पुनवटकर, अधीक्षण यंत्री (दक्षता) ने विद्युत गृह में ऊर्जा संरक्षण के महत्व तथा कम से कम लागत में अधिक से अधिक ऊर्जा उत्पादन करने हेतु आह्वान किया। श्री राय (मुख्य रसायनज्ञ) ने संक्षिप्त व सारगर्भित उद्बोधन में बताया ''ऊर्जा बचत यानि अपने लिए धन उपार्जन''।

ऊर्जा संरक्षण की जागरूकता हेतु विद्युत गृह स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, कार्यक्रम के दौरान विजेताओं को पुरूस्कार प्रदान किया गया। जो कि निम्न हैं नारा प्रतियोगिता में श्रीमती स्मृति राठौर सहा.यंत्री प्रथम, श्री सुकुलराम साहू सहा.श्रेणी-दो द्वितीय एवं श्री इन्द्रसाय पी.ए.-दो तृतीय स्थान पर रहे। जबकि ठेका वर्ग में राजकुमार केवंट प्रथम, राहुल कश्यप द्वितीय एवं रश्वी हेमब्रोम तृतीय स्थान पर रहें।

कविता प्रतियोगिता में श्री प्रेमजी पटेल मुख्य संरक्षा अधिकारी प्रथम, श्री विनोद कुमार त्रिवेदी अनुभाग अधिकारी द्वितीय एवं श्रीमती सीमा राठौर सहायक यंत्री (संचा.) तृतीय स्थान पर रहे। जबकि ठेका वर्ग में दुर्गा ठाकुर प्रथम, अरविन्द कुमार साहू द्वितीय एवं रश्वी हेमब्रोम तृतीय स्थान पर रहें। निबंध प्रतियोगिता में श्री निहारेन्दु साहा कार्यपालन यंत्री (संचा.) प्रथम, श्री ओमप्रकाश साहू सहा.यंत्री (संचा.) द्वितीय एवं श्री नरेन्द्र कुमार देवांगन संरक्षा अधिकारी तृतीय स्थान पर रहे।

ठेका वर्ग में कु. सरिता धुर्वे प्रथम, कौशल्या धुर्वे द्वितीय एवं श्री राजकुमार केंवट तृतीय स्थान पर रहें। ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के आयोजन में उत्कृष्ट योगदान के लिये विशेष पुरस्कार श्री एस.एस. यादव कार्यपालन अभियंता (दक्षता प्रकोष्ठ),श्री देवेश दुबे (वरि.रसा.), श्री ए.के. सिन्हा कार्यपालन अभियंता (क्रय एवं कार्य), श्री आर.सी. गुप्ता सहायक अभियंता (सी.एच.पी.) तथा धनेश्वरी साहू सहायक अभियंता (दक्षता प्रकोष्ठ) को मिला।

दक्षता विभाग द्वारा प्रकाशित ऊर्जा संरक्षण पुस्तिका का विमोचन मंचस्थ अतिथियों के कर कमलों से किया गया। कार्यक्रम में संयंत्र के वरिष्ठ रसायनज्ञ श्री देवेश दुबे ने ऊर्जा संरक्षण से संबंधित सामान्य प्रश्नों को पूछा, समारोह का संचालन श्री ए.के. सिन्हा कार्यपालन अभियंता (क्रय एवं कार्य) एवं आभार प्रदर्शन श्री एस.एस. यादव कार्यपालन अभियंता (दक्षता प्रकोष्ठ) द्वारा किया गया।

# माला की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं थी महामना को

आजकल सभा-समारोहों में तमाम लोग बड़े सम्मान से तैयार की गई सुंदर फूल-माला को पहनने के तत्काल बाद निकालकर सामने रख देते हैं। वह न तो माला पहनाने वाले के आत्मीय भाव को समझते हैं और न ही कार्यक्रम की मर्यादा का ध्यान रखते हैं।

वे गले में माला पहनने की बजाय हाथ में लेकर उसे भीड़ की तरफ उछाल देते हैं। महामना मदन मोहन मालवीय ऐसा आचरण करने वालों से नाराज हो जाया करते थे। महामना कहते थे कि माला पहनाने वाले के प्रति सामान्य शिष्टाचार बरतना ही चाहिए। कितने जतन से आयोजक अच्छी से अच्छी माला पहनाकर स्वागत करता है और मान्यवर कभी-कभी तो पहनने से ही इंकार कर देते हैं। कभी पहनने से पहले ही हाथ बढ़ाकर 'रोक' लेते हैं और सामने मेज पर धर देते है। क्या यह तिरस्कार का आचरण नहीं? राजनेताओं का यह दुराचरण सभ्य और शिक्षित जन भी अपनाने लग गए है। कार्यक्रम के समापन तक यदि गले में माला रहती, तो क्या अनर्थ हो जाता?

मालवीयजी श्वेत वस्त्र धारण करते थे। वस्त्र पर स्याही या अन्य किसी प्रकार का धब्बा उन्हें स्वीकार नहीं था क्योंकि वस्त्र का व्यक्तित्व पर असर पड़ता है। उन्होंने संभवतः कभी चमड़े का जूता नहीं पहना। ज्यादातर उन्होंने कपड़े से तैयार नागरा जूता ही अपनाया।

# कोरबा पूर्व में औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

कोरबा पूर्व में 03 से 09 दिसंबर तक आयोजित औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण) श्री एस एस टिल्लू के मुख्य आतिथ्य व मुख्य अभियंता (उत्पा.), श्री एस के बंजारा की अध्यक्षता एवं डॉ.जी.पी.दुबे वरि. मुख्य रसायनज्ञ एवं बी.बी. पी.मोदी अधीक्षण अभियंता, केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मंडल, रायपुर के शिक्षा अधिकारी श्री कोमल सिंह ठाकुर के गरिमामय आतिथ्य में संपन्न हुआ।

भोपाल गैस त्रासदी एवं औद्योगिक दुर्घटनाओं में दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद श्री एस के बंजारा ने कर्मियों को सुरक्षा शपथ दिलाया। संरक्षा अधिकारी श्री आर.एल. ध्रुव ने इस आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री एस.एस. टिल्लू ने कर्मियों को अपने उद्बोधन में कहा कि छोटी सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है, अतः हर क्षण सुरक्षा एवं सावधानी से कार्य कर दुर्घटना को टाला जा सकता है। कारखाना अधिभोगी एवं मुख्य अभियंता श्री एस.के.बंजारा ने कहा कि दुर्घटना के कारण एवं उससे बचाव के बारे में सभी को जानना जरूरी है उद्योग, घर एवं बाहर सर्वत्र सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक रहें एवं उनका पालन करें। डॉ.जी.पी.दुबे वरि.मुख्य रसायनज्ञ एवं बी.बी.पी.मोदी, केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मंडल, रायपुर के शिक्षा अधिकारी श्री कोमल सिंह ठाकुर ने औद्योगिक संरक्षा के विषय पर अपने विचार रखे। संरक्षा सप्ताह के दौरान आयोजित निबंध, नारा प्रतियोगिता चित्र प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री एस.पी. बारले एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती ज्योति श्रीवास्तव ने किया।

# नाखून चबाने की आदत

बच्चे हों या बड़े, नाखून चबाने की गंदी आदत किसी में भी हो सकती है। इसकी वजह बोरियत हो, तनाव हो या फिर यह सिर्फ एक आदत हो, सेहत से जुड़े इसके कई नुकसान हैं।

**बैक्टीरियाई संक्रमण :** आप अपने हाथों को कितनी बार भी साफ करें लेकिन नाखूनों के भीतर गंदगी रह ही जाती हैं। शोधों के अनुसार, नाखून उंगलियों से दोगुने गंदे होते हैं इसलिए इनमें बैक्टीरिया की आशंका भी अधिक होती है। ऐसे में नाखून चबाते वक्त ये मुंह के रास्ते शरीर में प्रवेश करते हैं और संक्रमण हो जाता है। नाखून चबाने से उनके आसपास की त्वचा की कोशिकाओं की भी क्षति होती हैं। इनके जरिए बैक्टीरिया और दूसरे कीटाणु त्वचा में प्रवेश करते हैं। अधिक नाखून चबाने वाले लोगों की पैरीनिशिया का रिस्क अधिक हो जाता है जो नाखून के आसपास संक्रमण व दर्द की वजह है।

**गांठ :** बहुत अधिक नाखून चबाने से ह्यूमन पपिलोमावायरस (एचपीवी) का संक्रमण फैलता है जिससे नाखूनों पर गांठ बन जाती है। यह हाथ से होठों या मुंह में भी हो सकती है। नाखूनों से निकलने वाली गंदगी दांतों को समय के साथ-साथ कमजोर बनाने में बड़ा रोल निभाती है। लगातार नाखून चबाते रहने से दांतों की जगह भी शिफ्ट हो सकती है।

एक शोध के दौरान पाया गया कि 20 से 30 प्रतिशत लोग नाखून चबाते हैं। इस अध्ययन में माना गया कि अधिक नाखून चबाने वाले लोगों को तनाव अधिक होता है और उनका जीवनस्तर अच्छा नहीं होता है।

# कोरबा पूर्व में स्वच्छ भारत अभियान

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर विद्युत गृह, कोरबा पूर्व में स्वच्छ भारत अभियान का अनुसरण करते हुये श्रम कल्याण केन्द्र विद्युत गृह परिसर एवं सड़कों की सफाई कार्यपालक निदेशक श्री एम.एस. कंवर एवं मुख्य अभियंता श्री एस.के. बंजारा एवं मुख्य अभियंता श्री एस.एस.टिल्लू सहित बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वच्छता शपथ लेते हुये अधिकारियों कर्मचारियों ने स्वच्छ भारत के निर्माण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का संचालन कल्याण अधिकारी श्री पी.आर.खुटे ने तथा आभार प्रदर्शन वरि.कल्याण अधिकारी श्री एस.पी.बारले, मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री आर.एल. ध्रुव ने किया।





# अंतर्क्षेत्रीय फुटबाल स्पर्धा में कोरबा पश्चिम विजेता, रायपुर क्षेत्र उपविजेता

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी अन्तर्क्षेत्रीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन कोरबा पूर्व में संपन्न हुआ। इसमें कोरबा पश्चिम को विजेता एवं रायपुर क्षेत्र को उपविजेता होने का गौरव प्राप्त हुआ। कोरबा पश्चिम के खिलाड़ी सर्वश्री कृषपाल कुजूर, समीर निर्मल एवं अनिल मिंज तथा रायपुर क्षेत्र के खिलाड़ी श्री अरूण कुजुर ने बेहतर खेल प्रदर्शन करते हुये गोल दागे।

विजेताओं को उत्पादन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस.बी. अग्रवाल ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर उन्होंने विजयी खिलाड़ियों को बधाई दी। साथ ही किसी भी स्पर्धा में हार या जीत से ज्यादा महत्व खिलाड़ी भावना को दिया। स्पर्धा के समापन समारोह में कार्यपालक निदेशक श्री ओ.सी.कपिला ने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि खेल आपसी सद्भाव एवं भाईचारा को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम हैं। इसी क्रम में मुख्य अभियंता श्री एस.के.बंजारा ने स्वागत उद्बोधन एवं स्पर्धा का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह में कार्यपालक निदेशक श्री एम.एस.कंवर, मुख्य अभियंता श्री एस.एस. टिल्लु, अति.मुख्य अभियंता श्री एन के बिजौरा, श्री अनिल व्यास तथा वरि.मुख्य रसायनज्ञ डॉ. जी.पी.दुबे सहित बड़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित थे।

क्षेत्रीय क्रीडा एवं कला परिषद के अध्यक्ष श्री बी.बी.पी. मोदी द्वारा आभार प्रदर्शन, उपाध्यक्ष श्री टी.एल. देवांगन द्वारा कार्यक्रम का संयोजन तथा सचिव श्री एस.पी. बारले द्वारा संचालन किया गया। स्पर्धा के सेन्ट्रल आब्जर्वर की भूमिका श्री राजेश कुमार एवं नेशनल रेफरी सर्वश्री सज्जी टी जान, ए.के. गोस्वामी, ग्रेडिन गेलियर, वीनू वर्गिस, सुरेन्द्र फरमन दास, अमन नागरा एवं टप्पू खान ने निर्णायक की भूमिका अदा की।

# कोरबा पूर्व में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह मनाया गया

कोरबा (पूर्व) में ऊर्जा संरक्षण दिवस पर मुख्य अभियंता श्री एस.के.बंजारा द्वारा ऊर्जा संरक्षण संदेश दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ.जी.पी.दुबे वरि.मुख्य रसायनज्ञ की अध्यक्षता एवं अधीक्षण अभियंता श्री बी.बी.पी.मोदी तथा श्री रामजी सिंह व विद्युत गृह विद्यालय के प्राचार्य श्री एम.एल.चंद्रा के विशिष्ठ आतिथ्य एवं सभी अधीक्षण अभियंताओं एवं कर्मियों की उपस्थिति में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री एस.के.बंजारा ने ऊर्जा संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उज्जवल भविष्य के लिये दैनिक कार्यो एवं क्रियाकलापों में छोटे-छोटे उपायों को अमल में लाकर ऊर्जा बचाएं।

कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. दुबे ने कहा ऊर्जा का अपव्यय लोंगो की जेब के साथ-साथ पर्यावरण को हानि पंहुचाता है। श्री मोदी ने आभार प्रकट करते हुये कहा कि पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोंतो को बचाने तथा ऊर्जा संरक्षण के कार्य के दायित्व को राष्ट्रीय दायित्व समझ कर निभाए।

ऊर्जा संरक्षणं निबंध, नारा एवं चित्र प्रतियोगिता के सीनियर क्लब एवं जूनियर क्लब से गृहणीं वर्ग में श्रीमती दीपा साहा,श्रीमती उर्मिला चौहान, श्रीमती मिथिला सिदार, श्रीमती प्राची नामदेव, श्रीमती गीता साहू श्रीमती वंदना साहू श्रीमती अंजना मंडलोई,श्रीमती रेणुका साहू, प्रियंका मिश्रा श्रीमती भावना धुर्वे, श्रीमती सीमा बाई, श्रीमती अन्नपूर्णा तिवारी बालक-बालिका वर्ग में भूमि चौहान,आरूषि देवांगन,वैशली साहू, कृष्णा साहू, राशि मिश्रा, निखिल साहा, हिमानी ध्रुव, दृष्टि नायक, प्रथम राव धुर्वे, नीतिन साहा, अन्नपूर्णा तिवारी, अतिश देवांगन,हार्दिक नामदेव,आदित्यराव धुर्वे, काब्याश सिदार, सुप्रिया मिश्रा,आयुष तिवारी,अक्षय चौधरी,विद्युत गृह विद्यालय के छात्र छात्राएं तेजस्वनी साहू, माधवी सिंह, अकाश चौहान, काजल साहू, कुसुम राठौर, जयकरण प्रसाद,शमा परवीन, कु.माण्डवी सिंह,नीधि दीवान, विकास राठौर, मिहिर सिन्हा, पुष्पांजलि चंद्रा, भुनेश्वरी बरेठ, दीपेश श्रीवास, तथा कार्मिक वर्ग में रामस्नेही अयंगर,मंगलूराम सारथी,रोहित तम्बोली,एस के साहू,संतोष राव धुर्वे, एस.के.चौबे, श्रीमती बबुली चौधरी,संदीप तिवारी,आत्माराम साहू, के.के.त्रिपाठी, ओमप्रकाश मिश्रा, ईश्वरी प्रसाद राठौर को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री एस.पी.बारले वरिष्ठ कल्याण अधिकारी ने किया।

# सिविल संकाय द्वारा उन्नत प्रशिक्षण भवनों का निर्माण

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी में सेवारत सहायक/कनिष्ठ अभियंता तथा लाइन अटेंडेड के प्रशिक्षण हेतु वितरण कंपनी के सिविल संकाय द्वारा गुढ़ियारी रायपुर में सर्वसुविधायुक्त केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान भवन का निर्माण किया गया है। यहां प्रशिक्षुओं को वितरण कंपनी की कार्यप्रणाली एवं मैदानी क्षेत्र की स्थितियों की जानकारी एवं विपरीत परिस्थितियों में कार्य करने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

ऐसे महत्वपूर्ण कार्यों हेतु निर्मित भवन के संबंध में मुख्य अभियंता (सिविल) श्री डी.के. भालेराव ने बताया कि नवनिर्मित भवन में प्रशिक्षण हॉल, लायब्रेरी, लैब, कंप्युटर लैब, डायनिंग हॉल इत्यादि का निर्माण कराया गया है। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों के प्रवास एवं भोजन हेतु इसी परिसर में अधिकारी छात्रावास (एग्जक्युटिव हॉस्टल) का निर्माण भी कराया गया है। परिसर में निर्मित भवनों को आपस में जोडने हेतु कांक्रीट रोड एवं सुव्यस्थित जल निकासी हेतु नालियों का निर्माण कराया गया है एवं पर्यावरण की महती आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए लगभग 15,000 वर्गफिट में उद्यान का भी निर्माण किया गया है। सिविल संकाय द्वारा निर्मित उक्त भवनों का सुपरविजन श्री बी.के. गौतम, कार्यपालन यंत्री (सिविल) एवं श्री भास्कर भारद्वाज, सहायक अभियंता (सिविल) द्वारा किया गया है।

# कोरबा पश्चिम में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया गया। इसके शुभारंभ समारोह में कार्यपालक निदेशक श्री ओ. सी. कपिला ने औद्योगिक विकास के लिए विद्युत को अत्यावश्यक बताते हुये इसका अपव्यय नहीं करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विद्युत उत्पादकों द्वारा मितव्ययितापूर्वक इसका उपयोग करते हुये समूचे समाज में विद्युत बचत के संदेश को साकार करने सदैव प्रयासरत रहना होगा।

कारखाना प्रबंधक श्री एन.के. बिजौरा, वरि. मुख्य रसायनज्ञ श्री पी.के. सेलट, अति. मुख्य अभियंता श्री एस. एन. गोवर्द्धन एवं ए.के. व्यास ने भी अपने विचार रखे। इन्होंने ऊर्जा के न्यूनतम खपत को पर्यावरण संरक्षण सहित नई पीढ़ी के विकास हेतु आवश्यक प्रतिपादित किया, साथ ही न्यूनतम तेल खपत से अधिकतम विद्युत उत्पादन करने जोर दिया। ऊर्जा संरक्षण सप्ताह अधीक्षण अभियंता श्री पंकज कोहले के मार्गदर्शन श्री के.के. नेमा के संयोजन तथा वरि. कल्याण अधिकारी श्री पी.के. ढवे के संचालन में संपन्न हुआ। समारोह में ऊर्जा बचत संबंधी नारा एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।





# जगदलपुर में कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

जगदलपुर क्षेत्र में 'सी एण्ड डी' श्रेणी के लाईन कर्मचारियों हेतु राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 18 से 20 नवम्बर तक प्रशिक्षण केन्द्र में किया गया। इसमें प्रतिभागियों को राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना, एनर्जी मीटरिंग बिलिंग एवं कनेक्शन पद्धति विद्युत अधिनियम 2003, आरएपीडीआरपी, विद्युत चोरी-दुर्घटना की रोकथाम एवं बचाव जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जगदलपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री आर बी त्रिपाठी ने प्रशिक्षणार्थियों को उपभोक्ता सेवा सुविधा में सुधार लाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान का उपयोग प्रशिक्षणार्थी अपने कार्यस्थल पर अधिकाधिक करें, साथ ही अपने अन्य कर्मचारियों-साथियों की इसकी जानकारी दें।

प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को सर्वश्री ए.के.ठाकुर, पी.एन.सिंह, पी.के. ठाकुर, एन.एस. बिष्ठ, डी.के.डुम्भरे, पी.एम. शर्मा ने व्याख्यान दिये। प्रशिक्षणार्थियों को समापन समारोह में प्रमाण पत्र एवं टूल किट्स भी प्रदान किये गये।

# कोरबा पूर्व में हिन्दी सप्ताह समारोह संपन्न

कोरबा पूर्व हिन्दी परिषद द्वारा हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया। हिन्दी सप्ताह के शुभारम्भ समारोह में मुख्य अतिथि पंडित भूपाल प्रसाद द्विवेदी ने हिन्दी की महिमा की व्याख्या की। कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य अभियंता श्री एस.के. बंजारा ने कहा कि मातृभाषा एवं राष्ट्रभाषा का अधिकाधिक प्रयोग कार्यालयीन कार्यो सहित आपसी वार्तालाप में होना चाहिये। इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि मुख्य अभियंता श्री एस.एस. टिल्लू ने कहा कि अपनी भाषा के प्रति सम्मान एवं उसके विकास के लिए हमें सदैव तत्पर रहना चाहिये। समारोह के विशिष्ट अतिथि वरि.मुख्य रसायनज्ञ डॉ.जी.पी.दुबे ने हिन्दी को राजभाषा बनाने के लिए शासन द्वारा किये गये कार्यो का उल्लेख किया।

हिन्दी परिषद के अध्यक्ष श्री बी.बी.पी. मोदी ने हिन्दी सप्ताह के आयोजन पर प्रकाश डाला। इस दौरान आयोजित नारा प्रतियोगिता एवं काव्य प्रस्तुति के लिए सर्वश्री उदय राठौर, ओमप्रकाश मिश्रा, देवेन्द्र शर्मा, एम.एल.सोनी, सूर्यप्रकाश वर्मा पुरस्कृत किये गये। समारोह का संचालन हिन्दी परिषद के सचिव श्री श्रीदत्त शुक्ल तथा आभार प्रदर्शन उपाध्यक्ष श्री एस पी बारले ने किया।

# राजनांदगांव क्षेत्र में राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

राजनांदगांव क्षेत्र के सी एण्ड डी श्रेणी के कर्मचारियों के 33वें बेंच का प्रशिक्षण कार्यक्रम 08 से 11 दिसम्बर को संपन्न हुआ। केन्द्रीय ग्रामीण विद्युतीकरण संस्थान के इस कार्यक्रम में लाइनमैन के कर्तव्य एवं दायित्व केबलों के प्रकार, सुरक्षा, उपभोक्ता संबंध, उपकेन्द्र-लाईन निर्माण, रखरखाव, आरजीजीव्हीवाय, आर-एपीडीआरपी, अग्निशमन जैसे विषयों पर व्याख्यान दिये गये। इसमें शामिल प्रशिक्षणार्थियों को आरईसी द्वारा प्रदत्त टी एण्ड पी किट, प्रमाण पत्र मुख्य अभियंता श्री प्रहलाद सिंह, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री मधुकर जामुलकर, अधीक्षण अभियंता श्री बी.पी.गुप्ता द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ हैदराबाद आरईसी के एन.टी.पी. कंसलटेन्ट श्री लक्ष्मी नारायण इरंकी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों को साइड विजिटिंग के तहत भिलाई स्थित एम.टी.आर.यू. संभाग में ले जाकर ट्रांसफार्मर से संबंधित प्रायोगिक जानकारी दी गई।

इसमें सहायक अभियंता श्रीमती उषा साहू, विनोद राव जाधव, जगत नारायण देशलहरे, का विशेष योगदान रहा। प्रशिक्षणार्थियों को सर्वश्री मधुकर जामुलकर, आर.एन. याहके, जे.एस.चौधरी, एस.आर.गुर्जर, ए.के.उमरे, रमेश ठाकुर, आर.ए.सिन्हा, एन.के.सक्सेना, राजेश ठाकुर, नूरेन्द्र साहू, हरीश जांगड़े, ने व्याख्यान दिये। प्रशिक्षण के कोर्स को-आर्डिनेटर श्रीमती मधुमती नागवंशी ने प्रशिक्षणार्थियों से कोर्स टेस्ट एवं फीडबैक लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन कल्याण अधिकारी श्री अशोक पिल्लई ने किया।

# कोरबा पूर्व में कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

छ.रा.विद्युत उत्पादन कंपनी कोरबा पूर्व में शून्य दुर्घटना एवं तनाव मुक्त जीवन विषय पर दो दिवसीय कर्मचारी विकास प्रशिक्षण का कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मंडल, रायपुर के विषय विशेषज्ञ श्री कोमल सिंह ठाकुर शिक्षा अधिकारी रायपुर के गरिमामय आतिथ्य, कारखाना अधिभोगी श्री एस.के.बंजारा मुख्य अभियंता (उत्पा.) की अध्यक्षता, श्री एस.एस.टिल्लू मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण) के मुख्य आतिथ्य तथा आर.एल.ध्रुव,.मुख्य संरक्षा अधिकारी की उपस्थिति में किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कोरबा पूर्व के पच्चीस कर्मियों सहित विभिन्न ट्रेड युनियनों के छः प्रतिनिधियों ने भाग लिया। शिक्षा अधिकारी श्री ठाकुर ने कारखाना में शून्य दुर्घटना एवं तनाव मुक्त औद्योगिक जीवन के लिये उपयोगी विषयों पर प्रकाश डालते हुये कर्मचारियों के जीवन स्तर को गुणवत्तापूर्ण बनाने, औद्योगिक एवं पारिवारिक वातावरण बनाने, कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन तथा सकारात्मक सोच आदि विषय के बारे में बताया।

उन्होंने घर परिवार एवं उद्योग की गुणवत्ता एवं टीम एवं समय प्रबंधन के विषय में भी जानकारी दी। इस अवसर पर कोरबा पूर्व के मुख्य अभियंता श्री बंजारा ने समस्त प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि शून्य दुर्घटना लक्ष्य प्राप्ति के लिये प्रत्येक व्यक्ति को तनाव मुक्त जीवन जीने की आदत डालनी चाहिये। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से हमारे संयत्र के असहज कार्यों को सहजता एवं दक्षता से सम्पादित करने का मार्ग प्रशस्त होता हैं। मुख्य अभियंता प्रशिक्षण श्री टिल्लू ने कर्मचारियों के विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना करते हुये कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से कर्मियों के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ उनके परिवार भी लाभान्वित होंगे।

उन्होने प्रशिक्षणार्थियों को आपस में जोड़ने के लिये अभ्यास कराया।श्री आर.एल.ध्रुव, मुख्य संरक्षा अधिकारी ने कहा कि शून्य दुर्घटना लक्ष्य प्राप्ति के लिये यह कार्यक्रम सार्थक सिद्ध होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन सत्र वरिष्ठ कार्मिक श्री अशोक कुमार दास संयंत्र पर्यवेक्षक एवं श्री अरूण मसीह संयंत्र सहायक के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समापन सत्र में श्री अशोक कुमार दास श्री अरूण मसीह, पी.डी.दीवान, श्री एन.एल.सोनी, श्रीमती कृष्णा डहरिया ने प्रशिक्षण के संबंध में अपने विचार रखते हुये इसे संयंत्र एवं परिवार के लिये महत्वपूर्ण बताया तथा इस तरह के कार्यक्रम सभी कर्मियों के लिये करने हेतु अनुरोध किया। अंत में प्रतिभागियों द्वारा श्री ठाकुर को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन एस.पी. बारले, वरि.कल्याण अधिकारी तथा संयोजन के.के.कश्रुरिया कार्यपालन अभियंता प्रशिक्षण एवं आभार प्रदर्शन हेमलता कान्त ने किया।

# लॉन टेनिस में रायपुर क्षेत्र तथा ब्रिज में केन्द्रीय कार्यालय रायपुर सिरमौर

कोरबा पश्चिम में 17 से 19 नवम्बर तक आयोजित अंतर्क्षेत्रीय लॉन टेनिस स्पर्धा में रायपुर क्षेत्र तथा ब्रिज स्पर्धा में केन्द्रीय कार्यालय रायपुर की टीम को विजेता तथा कोरबा पश्चिम को उपविजेता होने का गौरव प्राप्त हुआ। विजेता खिलाड़ियों को कार्यपालक निदेशक श्री ओ सी कपिला ने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए एवं आयोजन समिति को बेहतर प्रबंधन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर अति.मुख्य अभियंता सर्वश्री ए के व्यास, एस.एम.गोवर्धन ने भी विजयी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। रायपुर क्षेत्र के विजयी खिलाड़ियों को कार्यपालक निदेशक श्री एम.एल.मिश्रा ने बधाई दी तथा भविष्य में भी ऐसी उत्कृष्ट मिसाल को बनाये रखने प्रेरित किया।

ब्रिज प्रतियोगिता के मास्टर पेयर में कोरबा पूर्व के श्री जितेन्द्र सिंह, श्री एम एल भवसार प्रथम, केन्द्रीय कार्यालय के श्री डी.के.भालेराव, एस.के.कटियार द्वितीय एवं कोरबा पश्चिम के श्री एस.नायक, श्री आर.के.आजाद तृतीय स्थान पर रहें। श्री जे.एन.सिकदर व एम.एल.विश्वकर्मा को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रोग्रेसिव पेयर में केन्द्रीय कार्यालय रायपुर के श्री डी.के.भालेराव, श्री कटियार, डी.के.तुली व विमल मिश्रा विजेता तथा रायपुर रीजन के जे.एन. सिकदर, हरीश चौहान व परेश हीरा उपविजेता रहे।

टेनिस के ओपन सिंगल के विजेता श्री भूपेन्द्र साव कोरबा पश्चिम को बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेन्ट का अवार्ड तथा रायपुर क्षेत्र के श्री आर.के.बंछोर को इसमें उपविजेता होने का गौरव प्राप्त हुआ। ओपन युगल में श्री आर.के.बंछोर, श्री व्ही.के. विश्वकर्मा को विजेता तथा कोरबा पश्चिम के श्री आर.के.शास्त्री तथा एस.के.सोनपुरे ने उपविजेता का खिताब अर्जित किया।





# कोरबा पूर्व में ओजोन परत संरक्षण दिवस का आयोजन

कोरबा पूर्व में वायुमंडल को स्वच्छ तथा जलवायु संरक्षण से पृथ्वी को बचाने विश्व ओजोन परत संरक्षण दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अभियंता श्री एस.एस. टिल्लू, ने कहा कि ओजोन परत को संरक्षित कर ग्लोबल वार्मिंग से बचा जा सकता है। इसके लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण करने पर उन्होंने बल दिया।

इसी क्रम में वरिष्ठ रसायनज्ञ डॉ. जी.पी.दुबे ने बताया कि एयर कंडीशनर एवं फ्रीज से निकलने वाली गैस ओजोन परत के लिए हानिकारक है। अतः इनका सीमित उपयोग करना चाहिये। प्रभारी मुख्य अभियंता श्री बी.बी.पी. मोदी ने सृष्टि के विनाषकारी तत्वों से दूर रहते हुये संयमित जीवनशैली को अपनाने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को पाली रसायनज्ञ श्री शुक्ला ने एलसीडी प्रोजेक्ट के माध्यम से बताया कि धरती के ऊपर ओजोन परत की संरचना है जो कि मानव जीवन के लिए उपयोगी है। यह सूर्य के पराबैगनी किरणों को परिषोधित करती है।

बिगड़ते पर्यावरण ओजोन परत के लिए घातक है। इसमें छिद्र होने पर सूर्य की पराबैगनी किरणें सीधे धरती पर आयेगी जिससे तापमान में भारी बढ़ोत्तरी होगी। ओजोन परत संरक्षण दिवस पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता मे सर्वश्री डी.के. राठौर, एस.के.साहू, रामस्नेही अयंगर, ओमप्रकाश मिश्रा, श्रीमती बबूली चौधरी, कु. शमा बानो, डिम्पल साहू, निकिता जैन, हेमलता, शहनाज बानो, भुनेश्वरी बरेठ तथा भाशण प्रतियोगिता के लिए श्री नीतिन श्रीवास्तव, श्री शुक्ला पुरस्कृत किये गये। इस अवसर पर श्री व्ही.के. यादव द्वारा प्रश्नमंच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन श्री श्रीदत्त शुक्ल एवं संचालन वरि. कल्याण अधिकारी श्री एस.पी.बारले द्वारा किया गया।

# बिलासपुर में संस्कृति महिला मण्डल की स्थापना

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी के बिलासपुर क्षेत्र में सामाजिक कल्याणकारी गतिविधियों के संचालन, मानवता की सेवा तथा आदर्श समाज की स्थापना के उद्देश्य से 17 दिसम्बर 2014 को संस्कृति महिला मण्डल की स्थापना की गई। स्थापना दिवस पर महिला मण्डल की संरक्षिका श्रीमती सरिता सिंह और अध्यक्ष श्रीमती उषा अग्रवाल ने सभी सदस्यों को महिला सशक्तीकरण और निःशक्त बच्चों की सहायता सहित स्वच्छ भारत अभियान में सक्रिय योगदान देने प्रेरित किया। इस दौरान सुगम संगीत, भजन की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष श्रीमती अर्चना बंछोर, श्रीमती कुमुद वर्मा, श्रीमती सरिता ए. सिंह, श्रीमती अल्का बोरकर एवं श्रीमती कोसले का विशेष योगदान रहा। संचालन-आभार प्रदर्शन का दायित्व सचिव श्रीमती ज्योति भोजक ने निर्वहन किया।

# ऊर्जा संरक्षण में 'गृहणियों के योगदान' पर केंद्रित कार्यक्रम

ऊर्जा संरक्षण के प्रति गृहणियों को जागरूक बनाने के उद्देश्य से संकल्प महिला मंडल द्वारा कोरबा पश्चिम में अध्यक्षा श्रीमति पुष्पलता कपिला के मुख्य आतिथ्य एवं श्रीमति प्रमिला जैन एवं श्रीमति आरती व्यास, श्रीमति शुभा गोवर्धन के विशिष्ट आतिथ्य में प्रश्नमंच का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर श्रीमति कपिला ने कहा कि गृहणियों का घर के विद्युत उपकरणों का उपयोग मितव्ययितापूर्वक करना चाहिए। इसी क्रम में सर्वश्री एन.आर. साहू, के.के. नेमा ने ऊर्जा बचत की महत्ता एवं उपायों पर प्रकाश डाला। प्रश्नमंच/कार्यक्रम का संचालन श्रीमति अपर्णा दीवान, श्रीमति शैलजा नेमा तथा वरि. कल्याण अधिकारी श्री पी.के. दवे द्वारा किया गया।

# कोरबा पश्चिम में आनंद मेले का आयोजन

कोरबा पश्चिम में 19 दिसंबर 2014 को संकल्प महिला मण्डल द्वारा आयोजित आनंद मेले का उद्घाटन कलेक्टर श्रीमति रीना बाबा साहब कंगाले ने किया। उन्होंने मेले में मनोरंजन एवं स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल की प्रशंसा करते हुये इसे आपसी मेल-जोल का प्रभावी माध्यम कहा। महिला मंडल की अध्यक्षता श्रीमति प्रमिला जैन, श्रीमति आरती व्यास, श्रीमति कल्याणी बिजौरा, श्रीमति शुभा गोवर्द्धन ने सदस्यों का उत्साहवर्द्धन किया। आनंद मेले के उद्देश्य को अपनी सक्रिय भागीदारी से सचिव श्रीमति अपर्णा दीवान, कोषाध्यक्ष श्रीमति पद्मा राव, सांस्कृतिक सचिव श्रीमति अर्चना डोंगरे, श्रीमति सीमा दुबे, खेल सचिव श्रीमति निहारिका शर्मा, श्रीमति अनिता आजाद एवं सहसचिव श्रीमति नीलम ओझा ने साकार किया।

**सुनहरी यादें**

## चलो-चलो

मुख्य द्वार पर प्रतीक्षा करते हुये आधे घंटे से अधिक हो गया। जब जाके मिनी बस मिली। कंडक्टर ने इशारा किया। हम लोगों ने हां मे मुंडी हिला दी। मिनी बस में हम सातों सवार हो गये।

कंडक्टर के चलो-चलो चिल्लाते ही ड्राइवर ने गाड़ी आगे बढ़ा दी और स्पीड से चलाने लगा। कंडक्टर छरहरा नौजवान था। दौड़कर पिछले दरवाजे पर चढ़ गया। सन् 1990 के वसंत के दिन थे। उन दिनों बस में कंडक्टर के लिये दो दरवाजे हुआ करते थे। एक कंडक्टर अगले और एक कंडक्टर पिछले दरवाजे पर हुआ करता था।

अब गोसलपुर में गाड़ी रूकी। दो सवारी लेकर फिर वही चलो-चलो और गाड़ी दौड़ने लगती। पुनः पनहरा पेट्रोल पंप पर गाड़ी रूकी। अब शायद अंदर बैठी सवारी ने बस रूकवाई थी। कंडक्टर चिल्लाया - आप लोग स्टाप आने के पहले गेट पे क्यों नहीं आ जाते हो। चलो जल्दी उतरो।

### सवारी के उतरते ही वही चलो-चलो

अब सतपुला ब्रिज के नीचे दो सवारियों को देखकर गाड़ी रूकी। सवारी पिछले दरवाजे से चढ़ने लगी। कंडक्टर ने देखा कि पान का ठेला दरवाजे से बस दो कदम दूर है, तो इलायची लेने लगा।

मेरा दोस्त राकेश जो कि मजाकिया स्वभाव का है, उसको ठिठोली सूझी। सवारी के चढ़ते ही उसने आवाज बनाकर चिल्ला दिया चलो-चलो। ड्राइवर ने गाड़ी बढ़ा दी। पानवाले ने कंडक्टर को बोला अरे गाड़ी जा रही है। कंडक्टर दौडने लगा। चढ़ाई थी। तेज दौडना पड़ रहा था। हम लोग ठठा के हंस रहे थे। हाँफते-हाँफते बस को पकड़ पाया। आते ही चिल्लाने लगा किसने गाड़ी आगे बढ़वाई। सब लोग चुप थे। कोई जबाव न मिलता देख, कंडक्टर देशी स्टाईल में भुनभुनाते हुए नई सवारियों से पैसा वसूलने लगा।

**श्री संजय पटेल**
कार्यपालक निदेशक, छ.रा.पारे.कं. रायपुर

## बालमन की व्यथा

वह प्राइमरी स्कूल की टीचर थी। सुबह उसने बच्चों का टेस्ट लिया था और उनकी कापियॉ जांचने के लिए घर ले आई थी। बच्चों की कापियां देखते-देखते उसके आंसू बहने लगे। उसका पति वहीं लेटे मोबाईल देख रहा था। उसने रोने का कारण पूछा।

टीचर बोलीः सुबह मैंने बच्चों को मेरी सबसे बड़ी ख्वाहिश विषय पर कुछ पक्तियां लिखने को कहा था। एक बच्चे ने इच्छा जाहिर की है कि भगवान उसे मोबाइल बना दे। यह सुनकर पतिदेव हंसने लगे। टीचर बोली ''आगे तो सुनो बच्चे ने लिखा है यदि मैं मोबाईल बन जाउंगा तो घर में मेरी एक खास जगह होगी और सारा परिवार मेरे इर्द-गिर्द रहेगा। जब मैं बोलूंगा तो सारे लोग मुझे ध्यान से सुनेंगे मुझे रोका-टोका नहीं जायेगा और न ही उल्टे सवाल होंगे। जब मैं मोबाईल बनूंगा तो पापा ऑफिस से आने के बाद थके होने के बाद मेरे साथ बैठेंगे। मम्मी को जब तनाव होगा तो वह मुझे डांटेगी नहीं बल्कि मेरे साथ रहना चाहेंगी। मेरे बड़े भाई बहिनों के बीच मेरे पास रहने के लिए झगड़ा होगा। यहां तक जब मोबाइल बंद रहेगा तब भी उसकी अच्छी तरह देखभाल करेंगे। और हां मोबाइल के रूप में मैं सबको खुशी भी दे सकूंगा। यह सब सुनने के बाद पति भी गंभीर होते हुए बोला- हे भगवान बेचारा बच्चा। उसके मां-बाप तो उसके ऊपर जरा भी ध्यान नहीं देते। पत्नी ने आंसू भरी आंखों से उसकी तरफ देखा ओर बोली जानते हो यह बच्चा कौन है? हमारा छोटू। सोचिए यह छोटू कहीं आपका बच्चा तो नहीं। मित्रों, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में वैसे ही हमें एक दूसरे के लिए कम वक्त मिलता है। और वह भी हम उसे टीवी देखने, मोबाइल से खेलने और फेसबुक से चिपके रहने में गवां देंगे तो हम कभी अपने रिश्तों की अहमियत और उससे मिलने वाले प्यार को नहीं समझ पायेंगे। Moral- Please Spare Some of your valuabele Time For Your Family.

श्रेष्ठा संग डॉ. कृष्णा कांता

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के शहर निर्माण संभाग, गुढ़ियारी रायपुर में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदस्थ श्री एस.के.घर की सुपुत्री सौ.कां. श्रेष्ठा का शुभ विवाह हुगली (पश्चिम बंगाल) निवासी श्री भीमचंद्र घोष के सुपुत्र डॉ0 कृष्णा कांता के साथ 6 दिसम्बर 2014 को जोयपुर, जिला बांकुरा में सानंद संपन्न हुआ। बधाई...

संगीता संग श्रीजित

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी में कार्यालय प्रबंध निदेशक (होल्डिंग) में स्टाफ ऑफिसर के पद पर कार्यरत श्री जी.एस. नायर की सुपुत्री सौ. का. संगीता का शुभ विवाह केरल निवासी एआरटी कर्ता के सुपुत्र चि. श्रीजित के साथ दिनांक 6 नवंबर 2014 को (कोटयम) केरल में सानंद संपन्न हुआ। बधाई...

अपूर्वा संग तपन

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर उत्पादन कंपनी के कार्यालय कार्यपालक निदेशक (नवीनीकरण, रायपुर) में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदस्थ श्री प्रदीप अनवेकर की सुपुत्री सौ.कां. अपूर्वा का शुभ विवाह इंदौर निवासी श्री श्रीकृष्ण पटवर्धन के सुपुत्र चि. तपन के साथ 18 दिसम्बर 2014 को रायपुर में संपन्न हुआ। बधाई...

विनू संग अशोक

छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन कंपनी से सेवानिवृत्त कार्यपालन यंत्री श्री टी. विश्वन एवं निज सचिव के पद पर कार्यालय कार्यपालक निदेशक (वित्त) में कार्यरत श्रीमती मीना विश्वन की सुपुत्री सौ.कां. विनू का शुभ विवाह डॉ0 पी.के.शशीधरन एवं डॉ0 ज्योति शशीधरन के सुपुत्र चि. अशोक के साथ दिनांक 9 नवम्बर 2014 को केरल में सानन्द संपन्न हुआ। बधाई...

जुनैद हमराह कुदसिया

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के कार्यपालन अभियंता (संचा.-संधा.) संभाग, नयापारा, रायपुर मे अनुभाग-अधिकारी के पद पर कार्यरत अलहाज जनाब मोहम्मद उबैदुल हफीज के बड़े फरजंद जुनैद इब्न उबैद का निकाह (जश्ने शादी) नागपुर (महाराष्ट्र) निवासी जनाब मोहम्मद यूनुस साहब की दुख्तर नेक अख्तर कुदसिया कौसर के साथ नागपुर में 26 दिसंबर 2014 बरोज जुमा को बसंद मुनअकिद हुआ। बधाई...

स्वपना संग पियूष

छत्तीसगढ़ राज्य वितरण कंपनी के कार्यालय मुख्य अभियंता (एस.टी.आर.ई., रायपुर) में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री रवि शर्मा एवं श्रीमती सुषमा शर्मा की सुपुत्री सौ.कां. स्वपना का शुभ विवाह बिलासपुर निवासी श्री सोमेश सूबेदार के सुपुत्र चि. पियूष के साथ 17 दिसम्बर 2014 को रायपुर में संपन्न हुआ। बधाई...

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक, मुद्रण / प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (त्रिमासिक) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (त्रिमासिक) का उपयोग किया गया है. - मुद्रक

मयंक ऑफसेट प्रिंटर्स कंकालीपारा, रायपुर ▪ 98271-76089, 97527-11101

# वर्ष 2015 का अभिनन्दन हो

जनवरी हो अलबेली, अद्‌भुत उल्लास में
प्यारी सी फरवरी, फूलों की बहार में
मार्च की मस्ती, रंग और गुलाल में
फूल अप्रेल के, हंसी की बौछार में
मई की महक, मोगरा के हार में
रसीली जून लस्सी, शरबत, तरबूज खरबूज की रस धार में
जुलाई अनोखी, प्यार की बारिश और सफलता हो द्वार में
अगस्त में राखियां हो भाइयों की कलाई में
सितंबर का संगीत, गोरी की मनुहार में
स्वादिष्ट अक्टूबर हो, पकवानो की परात में
नवंबर हो दीयों, फटाको के त्योहार में,
हों खुशियां दिसंबर की प्रेम की सौगात में।

**संध्या श्रीवास्तव**, अनुभागीय अधिकारी
कार्या. कार्यपालक निदेशक (दुर्ग क्षेत्र)

## आतंक

**एस.के.तिवारी**
अनुभागीय अधिकारी,
छ.रा.वि.हो.कं. रायपुर

हाथों का हथियार बन गया बंदूक, बारूद और गोला।
धरा-गगन भी कांप उठा, देख धमाकों का शोला।
मानवता पोखर सूख रहा है बिन भावों के नीर से ।
नाव किनारे बंधा पड़ा है, सूखे मंजर की पीर से।
प्रसन्नता का प्रतीक पंकज नाल पात सूख जायेगा।
शीतल मंद सुगंध वायु, अब कभी नहीं बिखरायेगा।
बच्चों की प्यारी मछली रानी पूरे पोखर में मरी पड़ी।
पग मानव आहट जोह रहा घाट का पत्थर घड़ी घड़ी।
गांधी,विनोबा, मदर टेरेसा जैसे दुनिया में आयेंगे।
खुशी नीर से भरे लबालब मानवता रस छलकायेंगे।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी मर्या. डंगनिया, रायपुर, फोन : 0771-2574702, फैक्स : 0771-2574702, website - www.cseb.gov.in